Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 238
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,27 मार्च 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

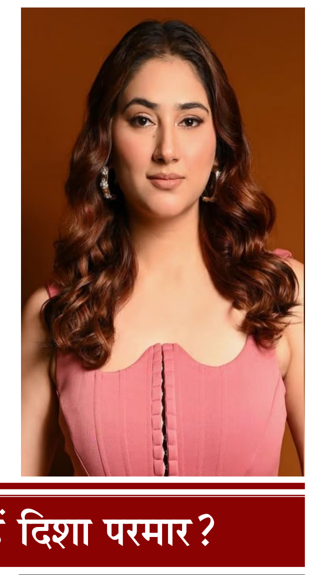

2 स्टेडियम में विभिन्न खेलों में चयन का ट्रायल जारी
4 सुबह पेट साफ नहीं हुआ तो ये नुस्खे आजमाकर
7 फिर से मां बनने वाली हैं दिशा परमार?

विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ा सकती है टेक्नोलॉजी: सीएम

मुख्यमंत्री ने किया सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के गोरखपुर सेंटर का उद्घाटन

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टेक्नोलॉजी विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ा सकती है। हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। प्रदेश सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए। बजट में टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। जब हम तकनीक नहीं अपनाते, उससे परहेज करते हैं तो प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं। जब प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं तो प्रगति की जगह दुर्गति की ओर जाते हैं। हमें प्रगति का अनुसरण करना है। सीएम योगी गुरुवार को गीडा गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एसटीपीआई के गोरखपुर सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे युवाओं में बहुत टैलेंट है। उसके टैलेंट को जब टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ते हैं तो वह प्रतिभा को कई गुना तेजी के साथ आगे बढ़ाने में सफल होता है। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र ने पिछले 11 वर्षों में देश में किया है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। युवाओं में स्केल तो था लेकिन उसे 2014 के पहले की सरकारों ने महत्व नहीं दिया। स्केल को स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया, कोई प्लेटफार्म नहीं उपलब्ध कराया। युवा हतोत्साहित था, पलायन करता था। युवाओं के मन में निराशा थी। 2014 के बाद एक-एक कर हर क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। न केवल भारत सरकार के स्तर पर बल्कि हर जनपद स्तर पर युवाओं के स्केल को स्किल में बदलने के लिए अनेक कार्यक्रम प्रारंभ हुए। कार्यक्रमों की श्रृंखला में एसटीपीआई का गोरखपुर केंद्र भी अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका शुभारंभ वासन्तिक नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर होना अत्यंत शुभ लक्षण है। एसटीपीआई का सेंटर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा। स्टार्टअप चलाने वाला व्यक्ति केवल अपना कंप्यूटर लेकर वहां जाएगा। बिजली कनेक्शन और अन्य जन सुविधाओं की चिंता नहीं करनी है। गोरखपुर में पहली बार इसे शुरू किया जा रहा है। प्लग एंड प्ले मॉडल पर यहां के युवाओं को अपने स्टार्टअप के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध हुआ है। 15 अप्रैल को गोरखपुर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर आफ एक्सीलेंस का शुभारंभ भी हो जाएगा। सेंटर आफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमपीआईटी में बना है। 11 वर्ष के अंदर स्टार्टअप संस्कृति को आगे बढ़ाने का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में 20 हजार से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं और इनमें से आधे महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। हर व्यक्ति के अंदर प्रतिभा है, लेकिन हुनर को मंच चाहिए। ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी को भविष्य की ऊर्जा बताते हुए कहा कि सरकार गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एमएमएमयूटी में ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनवा रही है। 50 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं।

दून-पिथौरागढ़ हवाई सेवा शुरू, 12-14 घंटे का सफर अब एक घंटे में होगा पूरा

सीएम ने किया शुभारंभ

देहरादून (एजेंसी)। दून-पिथौरागढ़ हवाई सेवा आज से शुरू हो गई है। अब 12-14 घंटे का सफर एक घंटे में पूरे होने से यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। सेवा का शुभारंभ कर सीएम धामी ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है। मैं राज्य की जनता को हवाई सेवाओं के लिए बधाई देता हूँ। रामनवमी के पावन अवसर पर ये सेवाएं शुरू हो रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी और नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू का आभार व्यक्त करता हूं। एलाइंस एयर की ओर से आज बृहस्पतिवार से देहरादून से पिथौरागढ़ के लिए हवाई सेवा शुरू की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून-पिथौरागढ़ के बीच संचालित होने वाली हवाई सेवाएं शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने एलायंस एयर की उड़ान में सवार यात्रियों से मुलाकात की। इस फ्लाइट को हवाई संपर्क योजना के अंतर्गत संचालित किया जाएगा। एलाइंस द्वारा करीब 42 सीटर विमान से इस सेवा को शुभारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून-पिथौरागढ़ उड़ान शुरू होने से से गढ़वाल और कुमाऊं के बीच में हवाई सफर करने वाले पैसेंजरों को इसका लाभ मिलेगा। हवाई संपर्क योजना के अंतर्गत कुछ अन्य जिलों को भी आपस में जोड़ने को तैयारी की जा रही है। देहरादून से नैनी सैनी हवाई अड्डे के लिए 42 सीट विमान उड़ान भरेगा। इससे पिथौरागढ़ का 12-14 घंटे का सफर मात्र एक घंटे में पूरा होगा। प्रोजेक्ट शुरू हो जाए, तो वह बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ना चाहिए।

डॉक्टर्स की निगरानी ..सेहत में सुधार, सोनिया गांधी का आया हेल्थ अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को संक्रमण होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी सेहत में सुधार हो रहा है, हालांकि वह अब भी चिकित्सकीय निगरानी में हैं। सर गंगाराम अस्पताल के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि गांधी को 24 मार्च की रात को भर्ती कराया गया था। संक्रमण के उपचार के लिए उन्हें एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं और उन पर दवाओं का अच्छा असर हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह वरिष्ठ चिकित्सकों की एक टीम की निगरानी में हैं जो उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। सूत्रों ने बताया कि एहतियात के तौर पर सोनिया गांधी को अगले कुछ दिनों तक अस्पताल में निगरानी में रखा जाएगा और उनकी हालत स्थिर है। सोनिया गांधी (79) को बुखार होने के बाद मंगलवार रात करीब 10 बजकर 22 मिनट पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूत्रों ने पहले कहा था कि मौसम बदलने के कारण उनकी तबीयत खराब हुई है।

राहुल गांधी अनुभव से नहीं सीखते, वह भाजपा की बी-टीम हैं: विजयन

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक हस्ती होने के बावजूद वह अनुभव से सीखते नहीं हैं। विजयन ने गांधी एवं उनकी पार्टी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी-टीम होने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब एक दिन पहले बुधवार को गांधी ने आरोप लगाया था कि केरल के मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में केंद्रीय एजेंसियों की कथित निष्क्रियता वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और भाजपा के बीच साठगांठ का सबूत है। विजयन ने कांग्रेस नेता के आरोप को लेकर यहां कोठमंगलम में संवाददाता सम्मेलन के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, भले ही वह (राहुल) एक राष्ट्रीय नेता हैं लेकिन सच्चाई यह है कि उनमें क्षेत्रीय नेता जैसी समझ भी नहीं है।

यौन शोषण आरोप में घिरे प्रोफेसर को अदालत से बड़ी राहत

हाथरस (एजेंसी)। प्रतियोगी परीक्षा में पास कराने और नौकरी दिलाने का झांसा देकर छात्राओं का यौन शोषण करने के आरोपी प्रोफेसर को यहां की एक अदालत ने दोषमुक्त कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अभियोजन पक्ष ने बृहस्पतिवार को बताया कि अपर जिला न्यायाधीश (प्रथम) महेंद्र कुमार की अदालत ने मंगलवार को सबूत के अभाव में प्रोफेसर को दोषमुक्त कर दिया। हाथरस के पीसी बागला डिग्री कॉलेज के भूगोल विभाग के प्रोफेसर रजनीश कुमार पर छात्राओं का यौन शोषण करने के आरोप लगाये गये थे। छह मार्च 2025 को एक छात्रा ने इस मामले में महिला आयोग को भी पत्र लिखा था। शिकायत सामने आने पर पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद प्रोफेसर के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया था। इस दौरान प्रोफेसर फरार हो गये तथा बाद में उन्हें प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस मामले में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। प्रोफेसर मामले जमानत पर बाहर थे।

आंध्र प्रदेश बस हादसा : राष्ट्रपति मुर्मू ने जताया शोक

पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर पीएम मोदी ने किया मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश में हुई बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को माकार्पुरम जिले में एक निजी बस के ट्रक से टकराने के बाद उसमें आग लग गई जिसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। माकार्पुरम के पुलिस अधीक्षक वी हर्षवर्धन राजू ने कहा कि यात्री जलते हुए वाहन के अंदर फंस गए थे। मुर्मू ने श्एक्सश पर कहा, आंध्र प्रदेश के माकार्पुरम जिले में हुई बस दुर्घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में हुए

एक सड़क हादसे पर शोक जताया है और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सहायता राशि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किये गये एक संदेश में कहा, आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में हुआ हादसा दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों, यही मेरी कामना है। उन्होंने इस घटना से प्रभावित लोगों की मदद के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से सहायता राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, पीएमएनआरएफ से हर मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये सहायता राशि दी जायेगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हादसे के बारे में अभी और जानकारी सामने आ रही है, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिये हैं। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारी स्थिति का जायजा ले रहे हैं और प्रभावित लोगों को जरूरी मदद पहुंचा रहे हैं। इस घटना के बाद राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों के अधिकारी हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं।

रामनवमी पर प्रधानमंत्री ने दी देशवासियों को बधाई

सीएम योगी ने की अपील, कहा-शांति और सौहार्द के साथ मनाये पर्व

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम के आदर्श न केवल भारत के लोगों के लिए, बल्कि अंनतकाल तक पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक शक्ति बने रहेंगे। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देशभर के मेरे परिवारजनों को रामनवमी की असीम शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मयार्दा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरी कामना है कि भगवान राम की कृपा से सबका कल्याण हो, जिससे विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि श्रीराम का चरित्र कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, संयम और कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने की प्रेरणा देता है। यही मूल्य रामराज्य की संकल्पना का आधार हैं। सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जाए। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और सतत निगरानी के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस पर्व को श्रद्धा, उल्लास और अनुशासन के साथ मनाएं तथा सामाजिक सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करें। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रामनवमी के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धर्म और आदर्शों का उदाहरण है। उन्होंने समाज में मयार्दा, त्याग, कर्तव्य परायणता और नैतिक मूल्यों की स्थापना की, जो आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर एक समरस, सशक्त और आदर्श समाज के निर्माण हेतु प्रयास करना चाहिए।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने किया कन्या पूजन

1,000 छात्राओं को बांटी साइकिलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को पीतमपुरा में कन्या पूजन किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के नौ स्कूलों की लगभग 1,000 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। मुख्यमंत्री ने बेटियों को दुर्गा और सरस्वती का रूप बताते हुए उनकी शिक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की कोई भी बेटी संसाधनों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई न छोड़े, यह सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा अक्सर बेटियों को घर से स्कूल आने-जाने में दिक्कतों का सामना

करना पड़ता था। विद्यावाहिनी के माध्यम से हम कक्षा 9वीं की हर छात्रा को साइकिल उपलब्ध करा रहे हैं, ताकि वह अपनी स्कूली शिक्षा बिना किसी बाधा के पूरी कर सके। ये बेटियां आने वाले समय में देश और शहर का नाम रोशन करेंगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कन्या पूजन की तस्वीरें साझा करते हुए एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने बेटियों को शक्ति का प्रतीक और मां का पवित्र आशीर्वाद बताया। उन्होंने लिखा कि दुर्गा अष्टमी हमें सिखाती है कि हर बेटी में आदि शक्ति का रूप समाहित है। कार्यक्रम के इतर मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। हाल ही में दिल्ली बीजेपी द्वारा साझा किए गए शीश महल के वीडियो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा जनता के पैसों से बना यह शीश महल भ्रष्टाचार की सभी सीमाओं को लांघ चुका है।

चुनाव बाद बुलाए सर्वदलीय बैठक, खरगे ने रीजीजू को लिखा पत्र, पूछा-महिला आरक्षण पर सरकार जल्दबाजी में क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को सरकार से महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के विषय पर सर्वदलीय बैठक बाद में बुलाने का आग्रह एक बार फिर किया और कहा कि जब राजनीतिक दल चुनाव में व्यस्त हैं तो फिर वह बहुत जल्दबाजी में क्यों नजर आ रही है। खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को लिखे पत्र में यह भी कहा कि सरकार को 29 अप्रैल, 2026 को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के

बाद सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। बीते मंगलवार को विपक्षी दलों ने किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि वह चार राज्यों एवं एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आम सहमति बनाने के लिए बीते सोमवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कुछ घटक दलों और विपक्ष के कुछ क्षेत्रीय दलों के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रावधान के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया गया था।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा, बजरी से लदे टिपर ट्रक से टकराई बस, आग लगने से जिंदा जले 8 यात्री

रायवरम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के माकार्पुरम जिले में एक बस में आग लगने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और लगभग 18 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय टीवी चौनलों के अनुसार, बस बजरी से लदे एक टिपर ट्रक से टकरा गई थी। पुलिस ने बताया कि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनका एक अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। अधिकारी घटना के बारे में और जानकारी एकत्र करने के प्रयास कर रहे हैं। माकार्पुरम के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नागराजू ने एक टीवी चौनल से कहा, करीब आठ

लोग जिंदा जल गए और अब तक करीब 18 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना का पूरा ब्योरा जुटाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि बचाव दल मृतकों की पहचान करने और उनके परिजन के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहे हैं तथा सत्यापन पूरा होने के बाद परिजन को सूचित किया जाएगा। नागराजू ने आशंका जताई कि कुछ शव अब भी बस के अंदर फंसे हुए हैं। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस दुर्घटना में लोगों के मारे जाने पर दुख व्यक्त किया है। बस में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई।

फ्रांस दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, जी7 सहयोगी देशों के साथ बैठक में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार को फ्रांस रवाना हुए। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा होगी और होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए खुला रखने के प्रयासों में समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हालांकि भारत जी7 का सदस्य नहीं है लेकिन इस प्रभावशाली समूह के मौजूदा अध्यक्ष फ्रांस ने उसे साझेदार देश के रूप में आमंत्रित किया है। इस बैठक में अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, इटली,

फ्रांस, जापान और ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिक हिस्सा ले रहे हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री 26 और 27 मार्च को फ्रांस में एबे डेस-वॉक्स-डे-सेर्ने की यात्रा करेंगे, जहां वह साझेदार देशों के साथ जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। बयान में कहा गया कि जयशंकर जी7 बैठक से इतर अपने समकक्षों के साथ संभवतरू द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। फ्रांस ने भारत के अलावा सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ब्राजील को भी आमंत्रित किया है। फ्रांस के एक अधिकारी के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट पर एक अलग सत्र आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि मंत्री इस क्षेत्र में तनाव कम करने और समुद्री मार्ग फिर से खोलने के लिए विभिन्न वार्ता माध्यमों की तलाश करने पर विचार-विमर्श करेंगे। अधिकारी ने कहा कि विदेश मंत्री इस बात पर भी चर्चा करेंगे कि ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रम से कैसे निपटा जाए। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है।

देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में शामिल हुआ यूपी काशी में बोले मंत्री सुरेश खन्ना

वाराणसी। वाराणसी में बृहस्पतिवार को आठ दिवसीय भव्य चित्र प्रदर्शनी का समापन हुआ। इस दौरान मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनाना है। योगी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में वाराणसी में आयोजित आठ दिवसीय भव्य चित्र प्रदर्शनी का गुरुवार को नाटी इमली स्थित ऐतिहासिक भरत मिलाप मैदान में समापन हुआ। प्रदर्शनी का समापन प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने किया। मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। कानून व्यवस्था में सुधार, निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण और पारदर्शी प्रशासन ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। योगी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पिछले नौ वर्षों में हर वर्ग के लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं। गरीबों को आवास, किसानों को सम्मान निधि, युवाओं को रोजगार और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सड़क, एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और मेट्रो जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे जैसी परियोजनाएं विकास के प्रतीक बन चुकी हैं। साथ ही, मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से आम जनता को बेहतर इलाज उपलब्ध हो रहा है। मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनाना है। इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ह्वविकसित भारतह्व के संकल्प को साकार करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रदेश सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदर्शनी 19 से 26 मार्च तक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा उपलब्धियों को चित्रों, चार्ट और मॉडल आदि माध्यमों के जरिए आम जनता के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के समग्र विकास की तस्वीर को जन-जन तक पहुंचाना और लोगों को सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। विकास की गाथा को चित्रों के माध्यम से दशार्या गया, साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रदेशवासियों के नाम लिखी जा रही ₹पाती₹ को भी इस चित्र प्रदर्शनी में जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रदर्शित किया गया, जो विशेष रूप से आकर्षण बना रहा। प्रदर्शनी में बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कृषि, रोजगार सृजन, निवेश और कानून व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में हुए सुधारों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

देश भर में सुविधाजनक पुलियाएँ बनाने का रेल मंत्री का निर्देश

गोरखपुर,: रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को अब रेलवे मिशन मोड में रोकेगा। सुविधाजनक पुलियाएँ बनाकर इसे सुनिश्चित किया जाएगा। इसकी व्यापक तैयारियों के रूप में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली में संबंधित अधिकारियों की एक ६ङ्क१ 'रँङ्कस्र की। जहाँ रेल पटरी के एक तरफ बस्ती है और दूसरी तरफ खेत, विद्यालय, श्मशान या अन्य उपयोगी एवं महत्वपूर्ण स्थान, ऐसे स्थानों पर ये रेल पुलियाएँ बनाई जायेंगी। रेल मंत्री ने देशभर में ऐसी रेल पुलियाओं को बनाने का निर्देश दिया, जहाँ अपने रोजमर्रा के जीवन में बड़ी संख्या में लोग पटरियों को पार करते हैं। ीवनदायी विकल्प के रूप में उभरेगी रेल पुलिया रेल मंत्री ने अधिकारियों को एक ऐसी सुविधाजनक रेल पुलिया बनाने को कहा जो पटरी पार करने वाले लोगों के लिए एक जीवनदायिनी विकल्प के रूप में उभरे। इन रेल पुलियाओं को बनाते समय यह ध्यान रखा जाएगा कि एक आम आदमी साइकिल, मोटर साइकिल तथा कामकाज से जुड़ी अन्य चीजों को भी अपने साथ ले जा सके। इससे देशभर में पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी। देश की एक बड़ी आबादी के लिए भारतीय रेल की ये पुलिया वरदान साबित होगी। सुगम और सुरक्षित डिजाइन रेल मंत्री ने अधिकारियों को देश की इस बड़ी समस्या से अगले 5-6 वर्षों में निजात दिलाने को कहा। ये पुलियाएँ इस प्रकार से बनाई जायेंगी ताकि पटरियों के आर पार इनका निर्माण मात्र 12 घंटे में हो सके। रेल मंत्री ने कहा कि, डिजाइन इस प्रकार की हो, ताकि लोगों को इसे इस्तेमाल करने में कोई हिचक न हो। जल भराव से पुलिया प्रभावित न हो। रेल पुलिया बनाने का यह महत्वपूर्ण निर्णय पिछले कई दिनों से अधिकारियों के साथ चली आ रही मंत्रणा का परिणाम है। रेल मंत्री का मानना है कि, व्यवस्था संवेदनशील हो तथा एक आम आदमी की समस्यों का सभी अधिकारी ऐसा समाधान निकालें जो आने वाले कई दशकों तक प्रभावी रहे।

स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में वित्त वर्ष 2025-26 में पूर्वोत्तर रेलवे ने समय से पूर्व हासिल किया रू. 215 करोड़ का लक्ष्य

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से, ये स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुथरे हो रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे ने वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 के अन्तिम तिमाही में माह मार्च, 2026 में अभी तक ह्यमिशन जीरो स्क्रैपह्य के तहत स्क्रैप निस्तारण के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करते हुये रू. 215 करोड़ से अधिक की आय की है तथा माह मार्च, 2026 में अभी तक स्क्रैप निस्तारण से रू. 26 करोड़ से अधिक की आय हुई है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया। रेलवे प्रशासन ने 31 मार्च, 2026 तक और अधिक स्क्रैप निस्तारण की योजना बनाई है, ताकि स्क्रैप निस्तारण से और अधिक रेल राजस्व की प्राप्ति हो सके। भारत सरकार के कार्यक्रम ह्यस्वच्छ भारत मिशनह्य के तहत रेल परिसरों तथा रेल पटरियों के किनारे पड़े हुये निष्प्रयोज्य सामग्री, परित्यक्त इमारतों एवं आवासों की पहचान कर निस्तारण किया गया है, जिससे रेल राजस्व प्राप्त होने के साथ ही रेल परिसर तथा रेल पटरियों को स्वच्छ रखने में भी सफलता मिली है।

ये सभी विशेष गाड़ियाँ पूर्ववत निर्धारित ठहराव, समय एवं मार्ग पर चलाई जायेंगी

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही निम्नलिखित विशेष गाड़ियों के संचलन अवधि का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। ये सभी विशेष गाड़ियाँ पूर्ववत निर्धारित ठहराव, समय एवं मार्ग पर चलाई जायेंगी।

अवधि विस्तार-

- 09111 वडोदरा-गोरखपुर साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 30 मार्च से 27 जुलाई, 2026 तक किया गया है।
- 09112 गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 01 अप्रैल से 29 जुलाई, 2026 तक किया गया है।
- 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 04 अप्रैल से 25 जुलाई, 2026 तक किया गया है।
- 09196 मऊ-वडोदरा साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 05 अप्रैल से 26 जुलाई, 2026 तक किया गया है।

ईएमओ के फर्जी हस्ताक्षर से उर्सला की पार्किंग पर कब्जे की कोशिश, निदेशक ने कोतवाली में दी तहरीर

कानपुर। उर्सला अस्पताल में पूर्व ठेकेदार द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध पार्किंग वसूली का मामला सामने आया है। निदेशक डॉ. बीसी पाल ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली में धोखाधड़ी की तहरीर दी है। कानपुर में उर्सला अस्पताल की निशुल्क पार्किंग पर कब्जा कर पार्किंग के पूर्व ठेकेदार ने वाहन सवारों से पार्किंग शुल्क के नाम पर अवैध वसूली की। निदेशक ने विरोध किया तो उसने अस्पताल के कोषागार में 21 हजार रुपये जमा कराने, ईएमओ के फर्जी हस्ताक्षर और मुहर लगे फर्जी दस्तावेज दिखाकर पार्किंग के संचालन की अनुमति होने का दावा

किया। ईएमओ व कई अन्य डॉक्टरों पर पार्किंग चलाने के बदले पैसे लेने का आरोप लगाया। निदेशक ने सभी के लिखित बयान लिए। सभी ने आरोपी के दावों को निराधार बताया। इस पर उन्होंने आरोपी के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। लखनऊ महानिदेशालय भी सूचना भेजी। निदेशक डॉ. बीसी पाल ने बताया कि आरोपी तीन साल पहले पार्किंग का संचालन करता था। बाद में शासन के निर्देश पर अस्पताल परिसर की पार्किंग को निशुल्क कर दिया गया। इसके बाद भी आरोपी लगातार पार्किंग के संचालन का प्रयास करता रहा। आरोपी ने कोषागार में पार्किंग के लिए 21 हजार रुपये जमा किए। फर्जी कागजात तैयार कर उस पर ईएमओ के फर्जी हस्ताक्षर और अस्पताल की फर्जी मुहर लगाई। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज की जाएगी रिपोर्ट इसके बाद पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले लोगों से अवैध वसूली शुरू कर दी। आरोपी ने अस्पताल के कुछ डॉक्टरों और गार्डों पर 10 हजार रुपये प्रति महीना लेकर अवैध पार्किंग के संचालन की अनुमति देने की बात कही। निदेशक के अनुसार उन्होंने सभी ईएमओ, डॉक्टरों और गार्डों से लिखित बयान लिए तो उन्होंने ऐसे किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने या रुपये लेने से इन्कार किया। इसके बाद आरोपी ने इमरजेंसी भवन के बाहर दो आदमी लगाकर पार्किंग वसूलना शुरू कर दिया। जानकारी होने पर निदेशक ने उसे वहां से भी हटा दिया। कोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश पांडेय ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

फैक्टरी में लगी आग, धू-धू कर जल गईं करोड़ों मशीनें व सामान

मऊ। मऊ जिले में शॉर्ट सर्किट से बृहस्पतिवार को दो फैक्टरी में आग लगी। जिसमें 1.10 करोड़ की लाई, कुरकुरे और मशीनें जलकर राख हो गईं। सरायलखंसी थाना क्षेत्र के ताजोपुर औद्योगिक क्षेत्र में कुरकुरे और लाई बनाने की अलग- अलग फैक्ट्री लगी थी। गनीमत रही कि जिस समय आग लगी, उस समय फैक्टरी में कोई मजदूर नहीं था। मऊ जिले के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के ताजोपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित लाई और कुरकुरे की फैक्टरी में बृहस्पतिवार की सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस घटना में उद्यमी प्रविण चंद्र मिश्र को 1.10 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अग्निशमन धिकारी के नेतृत्व में विभाग की चार टीमों ने 2.5 घंटे में आग बुझाई। क्या है पूरा मामला औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमी प्रविण चंद्र मिश्र ने कुरकुरे और लाई निर्माण और पैकिंग की दो अलग-

अलग फैक्टरी स्थापित की है। पास में ही कोल्ड्रिंक और बर्फ की फैक्टरी भी है। बृहस्पतिवार की सुबह कोल्ड्रिंक यूनिट से सप्लाई के लिए माल निकलवा रहे थे। तभी लाई कुरकुरे की यूनिट में तेज धमाका सुनाई दिया। कुछ ही सेकंड में धुआं उठने लगा। सभी भागकर पहुंचे तो देखा कि आग की लपटें उठ रही हैं। प्रविण चंद्र मिश्र ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के चलते रास्ता बाधित होने के कारण फायर ब्रिगेड की टीम को पहुंचने में 15 मिनट का समय लग गया। अग्निशमन अधिकारी के वर्मा और अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सुनील यादव के नेतृत्व में 24 फायरकर्मी पहुंचे। आग की तेज लपटों के कारण आग बुझाने में ढाई घंटे का समय लग गया। गनीमत रहा कि फैक्टरी में सुबह छह बजे आग लगी। नौ बजे से मजदूर काम करने पहुंचते हैं, काम चलने के दौरान आग लगने पर मजदूरों की जान भी जा सकती थी। उद्यमी प्रविण चंद्र मिश्र ने बताया कि दोनों फैक्टरी में लगी मशीनें पूरी तरह जल गई हैं। 70 टन चावल, 15 टन से अधिक पैकिंग और खुले में रखी लाई जल गई। इसके साथ ही दो टन पैकिंग कुरकुरे और कच्चा माल चलकर राख हो गया। अग्निशमन अधिकारी के वर्मा ने बताया कि फैक्टरी में सूखा माल होने के कारण आग चारों तरफ फैल गई थी। विभाग की चार टीमें, चार गाड़ियों के साथ पहुंची थीं।

बदल रहा मौसम का मिजाज, नरम धूप के बीच बादलों की आवाजाही, 27-28 मार्च को बूंदाबांदी के आसार

कानपुर। कानपुर मंडल सहित मध्य उत्तर प्रदेश में मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। गुरुवार को सुबह से हल्की और नरम धूप निकलने की संभावना है, लेकिन इसके साथ ही बीच-बीच में बादलों की आवाजाही भी बनी रहेगी, जिससे मौसम सुहावना बना रहेगा और लोगों को तेज गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिमी हवाओं की गति में एक बार फिर इजाफा देखने को मिलेगा। दोपहर के समय इन हवाओं की रफ्तार करीब 1 से 12 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इन ठंडी हवाओं के चलते खासतौर पर गंगा के मैदानी इलाकों में हल्की ठंडक का असर बना रहेगा। दिन के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं, जबकि रात के समय बादलों की मौजूदगी के कारण तापमान में हल्की बढ़त दर्ज की जा सकती है। इससे दिन और रात के तापमान में अंतर देखने को मिलेगा, लेकिन फिलहाल मौसम संतुलित बना रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 26 मार्च तक बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन 27 और 28 मार्च को कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इस बदलाव के चलते मौसम में नमी बढ़ेगी और गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों के मुताबिक फिलहाल तेज गर्मी का असर नहीं दिखेगा और आने वाले कुछ दिनों तक मौसम का यह बदला हुआ मिजाज बना रह सकता है।

दो ट्रकों में जोरदार भिड़ंत के बाद लगी आग, तीन की जिंदा जलकर मौत

कानपुर। मुंडेरी मोड़ के पास दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद आग लगने से तीन लोग जिंदा जल गए। ओवरटेक के प्रयास में हुए इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महोबा-बांदा नेशनल हाईवे पर दो ट्रकों की आमने-सामने की भिड़ंत में तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कस्बा थाना से करीब तीन किलोमीटर दूर मुंडेरी मोड़ के पास हुई। हादसा बृहस्पतिवार की सुबह का है। कबरई से बांदा जा रहे गिट्टी भरे ट्रक के चालक सुरेश पांडे (55) और बांदा से महोबा जा रहे खाली ट्रक के चालक सूरज नाथ उर्फ साधु तथा क्लीनर सनी की इस हादसे में मौत हो गई।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की फिर बढ़ीं मुश्किलें, काशी की मुस्लिम महिला ने एफआईआर दर्ज कराने को दी तहरीर

वाराणसी। वाराणसी में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ थाने में तहरीर दी गई है। उनके बयान का विरोध करते हुए नाजनीन अंसारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वाराणसी जिले में मुस्लिम महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हनुमान चालीसा फेम नाजनीन अंसारी ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान 'इन्द्रेश कुमार ने 10 लाख हिन्दू लड़कियों की शादी मुस्लिम घरों में कराई है' पर आपत्ति जताई है। इस आरोप को पूरी तरह झूठ बताते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ लालपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए तहरीर दिया है। नाजनीन अंसारी अपने अधिवक्ता डॉ. आत्म प्रकाश सिंह, डॉ. नजमा परवीन, युवा परिषद के यूपी प्रमुख विवेकानंद सिंह एवं जिला प्रमुख सत्यम राय के साथ लालपुर-पांडेयपुर थाने पहुंचीं।

संक्षिप्त खबरें

स्टेडियम में विभिन्न खेलों में चयन का ट्रायल जारी

बस्ती। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में संचालित खेल छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2026-27 के लिए बालक और बालिका वर्ग में विभिन्न खेल स्पधाओं के लिए जिला स्तरीय चयन-ट्रायल शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में जारी है। बुधवार को भी आठ खेलों में खिलाड़ियों का चयन-ट्रायल हुआ। खेल निदेशालय के निर्देश पर 23 से 26 मार्च तक जिला स्तरीय चयन-ट्रायल का शेड्यूल जारी किया गया है। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंडल स्तरीय ट्रायल में शामिल होने का मौका मिलेगा। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि कबड्डी बालक वर्ग, क्रिकेट, बॉस्केटबाल बालक वर्ग, तीरंदाजी, एथलेटिक्स बालक वर्ग, बॉक्सिंग बालक वर्ग, जूडो बालक वर्ग और हैंडबॉल बालक वर्ग का चयन-ट्रायल हुआ। बालिका वर्ग का चयन-ट्रायल बृहस्पतिवार को होगा। इसमें सफल खिलाड़ी 27 मार्च से 30 मार्च तक शुरू हो रहे मंडलीय ट्रायल में प्रतिभाग करेंगे। इसमें सफल खिलाड़ी तीन अप्रैल से 24 अप्रैल तक विभिन्न जनपदों में आयोजित प्रदेश स्तरीय चयन-ट्रायल में हिस्सा लेंगे। सफल होने पर प्रवेश पाएंगे। खिलाड़ियों के लिए यह बेहतर अवसर है कि प्रदर्शन कर स्पोर्ट्स कॉलेज में दाखिला ले सकेंगे।

सड़क निर्माण को लेकर ठेकेदार से विवाद

नगर बाजार। थाना क्षेत्र के सिसवारी कुंवर गांव में सड़क चौड़ीकरण के कार्य के दौरान विवाद होने का मामला सामने आया है। गोंडा जिले के पेड़राही निवासी ठेकेदार सुशील कुमार सिंह उर्फ गुड्डू ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 23 मार्च की शाम 7:30 बजे गांव के ही राकेश सिंह मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का विरोध करने लगे। उन्होंने अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए काम बंद करने को कहा। बातचीत कर मामला सुलझाने की कोशिश की गई तो आरोपी उन्हें मारने के लिए दौड़ पड़ा। थानाध्यक्ष नगर भानु प्रताप सिंह ने ठेकेदार की तहरीर पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू करा दी गई है।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत छह लोग नामजद

नगर बाजार। थाना क्षेत्र की रहने वाली एक विवाहिता की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। बनकटिया गांव की प्रिया तिवारी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी शादी वर्ष 2019 में हरैया थाना क्षेत्र के हरिजनपुर बाबू निवासी अंकित तिवारी के साथ हुई थी। पिता ने उस समय अपनी सामर्थ्य के अनुसार पांच लाख रुपये नकद, दोपहिया वाहन, सोने-चांदी के आभूषण व अन्य घरेलू सामान दहेज में दिया था। बाद में ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। न देने पर उनका शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया जाने लगा। थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर पति अंकित तिवारी, ससुर राम शंकर तिवारी, सास शशि, ननद अंकिता, देवर अभिषेक, देवरानी अंजली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

आठ मरीजों को पोषण सामग्री का वितरण

बस्ती। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सीएचसी हरैया में क्षय रोग का उपचार करा रहे मरीजों को निक्षय पोषण योजना के तहत आठ मरीजों को पोषण सामग्री प्रदान की गई। एमओआईसी डॉ. अभय कुमार सिंह, एमओटीसी डॉ. नंदलाल यादव, एसटीएस राहुल श्रीवास्तव, एसटीएलएस संजय कुमार पांडेय ने कहा कि क्षय रोग के उपचार में दवा के साथ-साथ पोषण का विशेष महत्व है। मरीजों से नियमित दवा लेने और संतुलित आहार अपनाने की अपील की। इस दौरान अंकित सिंह, पुन्नीलाल, उदय प्रताप शुक्ल, मृगेंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग घायल

वॉल्टरगंज। थाना क्षेत्र के बस्ती-डुमरियागंज मार्ग पर स्थित भुजैनिया गांव के समीप शाम लगभग साढ़े छह बजे बाइक की टक्कर से सड़क पार कर रहे बुजुर्ग छोटे लाल (70) गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सल्टौआ पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इस हादसे में बाइक चालक थाना क्षेत्र के जगतपुर निवासी प्रेम कुमार शर्मा (20) भी घायल हुए हैं।

पेंशन अदालत का आयोजन 30 मार्च को

बस्ती। मंडल के सेवानिवृत्त पेंशनरों की समस्याओं के निस्तारण के लिए आयुक्त कार्यालय सभागार में पेंशन अदालत 2025-26 का आयोजन 30 मार्च को शाम चार बजे किया गया है। संयोजक पेंशन अदालत/अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन आत्म प्रकाश बाजपेयी ने बताया कि नगर निगम, जिला परिषद जल निगम आदि से सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लंबित प्रकरणों पर इस अदालत में विचार नहीं किया जाएगा।

गल्ला कारोबारी को झांसा देकर आठ लाख उड़ाए

संतकबीरनगर/बस्ती। कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के कांटे चौकी क्षेत्र में कुशीनगर के गल्ला कारोबारी को झांसे में लेकर आठ लाख रुपये उड़ा देने का मामला सामने आया है। कुशीनगर के खड्डा निवासी सन्नी कुमार गुप्ता गल्ला कारोबारी हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी दुकान पर मुन्ना निवासी ग्राम कुसम्हा जिला नवल परासी नेपाल एक वर्ष से आता जाता है। उसने गोल्ड के कारोबार का झांसा देकर एक व्यक्ति से नेपाली मोबाइल नंबर से बात कराई। 23 मार्च को उन्हें सोने का बिस्किट दिया। इसके बाद उन्होंने आठ लाख रुपये एक व्यक्ति को दे दिए। उसने रुपये रखकर आने की बात कही। इस पर वह मुन्ना के साथ वहीं रुक गए। कुछ देर बाद वह आया और उन दोनों को बाइक पर बैठाकर केनौना तालाब की तरफ लेकर जा रहा था। इसी दौरान दो वदीर्धारी आए और उनकी गाड़ी को रोक लिया। वदीर्धारी गालियां देते हुए उक्त दोनों के साथ क्यों घूमने की बात कही। उनको वहीं पर धक्का देकर मुन्ना उसके साथ के व्यक्ति को अपने साथ लेकर चले गए। जिस बैग में नकली सोने का बिस्किट दिया था वह चेक करने पर मुंडेरवा स्थित एक पैथोलॉजी की रिपोर्ट मिली। जांच करने पर पता चला कि आरोपी वहीं अगल-बगल का है। कोतवाल जय प्रकाश दूबे ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है।

महिला अस्पताल में ठप रही अल्ट्रासाउंड सेवा

बस्ती। जिला महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच की सेवा बुधवार को ठप रही। इससे तमाम गर्भवती महिलाएं बिना जांच के लौट गईं। अधिकांश गर्भवती को बाहर से जाकर अल्ट्रासाउंड करवाना पड़ा। सीएमएस डॉ. अनिल कुमार के अनुसार, अल्ट्रासाउंड करने वाले डॉक्टर छुट्टी पर थे, ऐसे में जांच नहीं हो पाई। जिला महिला अस्पताल में रोजाना ढाई से तीन सौ मरीज परामर्श के लिए आते हैं, जिसमें अधिकांश गर्भवती होती हैं। जांच के बाद डॉक्टर, अल्ट्रासाउंड कराने के लिए सलाह देते हैं। बुधवार को सौ से अधिक गर्भवती को बिना अल्ट्रासाउंड जांच के लौटना पड़ा।

रेफरल से समाधान की ओर जिला अस्पताल

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए हैं। प्रदेशवासियों को जिले में ही इलाज की सुविधा है। जटिल प्रसव वाले मामलों को बड़े शहरों की ओर रेफर करने की प्रवृत्ति कम हो रही है। छोटे शहरों में जटिल मामले संभाले जा रहे हैं। 76 जिला अस्पतालों के 1,791 डाक्टरों को बीते चार वर्षों में प्रशिक्षण दिया। उत्तर प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करना स्वास्थ्य प्रणाली के सामने बड़ी चुनौती है। जिला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ सेवाओं की कमी, आपात स्थितियों में त्वरित निर्णय की क्षमता का अभाव और समय पर रेफरल की जटिलताओं के कारण कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जिन्हें रोका जा सकता है। इन्हीं सवालों का व्यावहारिक और प्रभावी उत्तर बनकर उभरा है रीजनल रिसोर्स एंड ट्रेनिंग सेंटर आरआरटीसी मॉडल। प्रदेश में इस वक्त 20 मेडिकल कॉलेज आरआरटीसी के रूप में काम कर रहे हैं। आरआरटीसी ने पारंपरिक प्रशिक्षण मॉडल से आगे बढ़ते हुए हब-एंड-स्पोक आधारित मेंटरशिप मॉडल विकसित किया

प्रदेश को विकसित बना रहे मुख्यमंत्री: महेंद्र यादव

मोहन यादव के जन्मदिन पर रोपे 61 पौधे

ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को बेला की बावड़ी स्थित परमार्थ आश्रम में 61 फलदार पौधों का रोपण किया गया । इस मौके पर आश्रम के समर्थ तीर्थ महाराज, बीज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, इंदौर के प्रभारी राजेश सोलंकी, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व सभापति राकेश माहौर, मधुसूदन भदौरिया, कार्यक्रम संयोजक मुरारीलाल मित्तल, पार्षद घनश्याम कुशवाहा, मुकेश परिहार, नारायण प्रजापति, चेतन मंडलोई, दिनेश रावत, विनोद पवैया, जितेंद्र गौतम, सचिन पचौरी इत्यादि ने पौधरोपण किया ।

इस अवसर पर बीज विकास निगम के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि डॉ. मोहन यादव राजनीति में पीएचडी हैं लेकिन मुझे लगता है कि वह हर विषय के पीएचडी हैं। प्रदेश के इतिहास में किसानों के लिए इतना बजट कभी नहीं रहा। वे प्रदेश की हर विधानसभा में जा रहे हैं, सिर्फ 25 विधानसभा बची हैं उनमें भी वे शीघ्र पहुंचेंगे। वह प्रदेश को विकसित कर रहे हैं। राजेश सोलंकी, कमल माखीजानी ने भी विचार रखे। संचालन विवेक भार्गव ने किया।

आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

भाजपा कार्यकर्ताओं ने महाराज महाराज बाड़ा पर आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जन्मदिन मनाया। मुख्य अतिथि जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति ने मुख्यमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर किक्की पंडित, डालचंद वर्मा, हर्षित शर्मा, याकूब खान, शैलेंद्र तोमर, जय सिंह सैंगर, राहुल भोला, पीयूष खोयकर, सतीश (चुम्मन), सोमनाथ, बंटी, कल्लू, इकबाल, संदीप भदौरिया, सुनील भदौरिया, गब्बर खान, लव राठौर, भूरा, राजेंद्र कुशवाह सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

नारायण वृद्ध आश्रम में कराया भोजन

इस मौके पर नारायण वृद्ध आश्रम में वृद्धजनों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद लिया गया। बीज विकास निगम के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, साडा के पूर्व अध्यक्ष जय सिंह कुशवाहा ,पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, कार्यक्रम संयोजक मुरारी लाल मित्तल, सत्यपाल सिंह जादौन, पार्षद मोहित जाट, विनय जैन, प्रदीप मुदगल, नारायण प्रजापति, सचिन पचौरी, संध्या गुप्ता, मधुसूदन भदौरिया, राघवेंद्र सिंह कुशवाह, राजेश भदौरिया, घनश्याम कुशवाह, मुकेश परिहार, जीतेन्द्र तोमर, दिनेश गुप्ता, विनोद पवैया, चेतन मंडलोई, रत्नमणि जोशी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सभापति ने तीन स्थानों पर वाटर कूलर किए भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के अवसर पर सभापति मनोज तोमर ने अचलेश्वर मंदिर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए, मानसिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के पुनर्वास गृह (लॉन्ग स्टे होम) में रह रहे लोगों के लिए तथा कंपू थाना परिसर में आम नागरिकों के उपयोग हेतु आरओ सहित वाटर कूलर भेंट किए। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को अब ठंडा और स्वच्छ पानी आसानी से उपलब्ध होगा, वहीं पुनर्वास गृह में रह रहे लोगों के लिए यह सुविधा राहत लेकर आई है। कंपू थाना परिसर में भी आमजन और पुलिसकर्मियों को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि जनहित के कार्य ही किसी भी जनप्रतिनिधि की वास्तविक पहचान होते हैं। उन्होंने आगे भी इसी प्रकार समाजसेवा के कार्यों को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

पुस्तक मेला शुरू, परेशानी का निराकरण करने हेल्पलाइन नंबर जारी

10 दिवसीय मेले का जिलाधीश ने किया शुभारंभ

ग्वालियर

जिले में संचालित विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को सस्ती दर पर किताबें, यूनीफॉर्म व स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिए 25 मार्च से 3 अप्रैल तक पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा। जिलाधीश रुचिका चौहान ने बुधवार को पुस्तक मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर मेले में लगे सभी स्टॉलों का अवलोकन कर दुकानदारों के साथ मेले में आए अभिभावकों और बच्चों से भी चर्चा की।

जिलाधीश ने अभिभावकों एवं बच्चों से चर्चा करते हुए बताया कि पुस्तक मेले में सीबीएसई, आईईएसई व एमपी बोर्ड से संबंधित सभी निजी स्कूल के पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें, यूनीफॉर्म एवं स्कूल में लगने वाली अन्य सामग्री उपलब्ध कराई गई है। जिलाधीश ने नागरिकों से कहा है कि पुस्तक मेले में विभिन्न काउण्टरों पर निजी स्कूल की किताबें एवं स्टेशनरी उपलब्ध है। अभिभावक मेले में भ्रमण कर अपनी इच्छानुसार दुकान से स्टेशनरी व पुस्तकें खरीद सकते हैं। किसी एक ही दुकान पर पुस्तकें एवं स्टेशनरी उपलब्ध न होकर विभिन्न दुकानों पर उपलब्ध कराई गई हैं। पुस्तक मेले के शुभारंभ अवसर पर अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

हेल्पलाइन नंबर भी जारी

पुस्तक विक्रेताओं एवं स्कूली बच्चों व उनके अभिभावकों की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से हेल्पलाईन नंबर भी जारी कराया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कॉर्डिनेटर आईटी सेल अरविंद तोमर (मोबा. 98935-87573) से संपर्क कर पुस्तक मेला के संबंध मे जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। साथ ही पुस्तक मेला के संबंधित समस्याएं भी दर्ज कराई जा सकेंगी।

पुस्तक मेले में पार्किंग की व्यवस्था

प्रशासन द्वारा 25 मार्च से 3 अप्रैल तक आयोजित किए जा रहे पुस्तक मेले में आने वाले छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के लिए मेले में सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। वाहन पार्किंग के लिए भी पृथक से व्यवस्था की गई है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए बुक बैंक

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जरूरतमंद बच्चों को नि :शुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए पुस्तक मेला परिसर में बुक बैंक भी स्थापित किया गया है। ऐसे स्कूली विद्यार्थी जो अपनी पिछली कक्षा की किताबें दान करना चाहते हैं वे बुक बैंक में अपनी किताबें जमा कर सकेंगे। ज्ञात हो पिछली साल बनाए गए बुक बैंक से 700 जरूरतमंद बच्चों ने नि :शुल्क पुस्तकें प्राप्त की थीं।

सिंगल यूज प्लास्टिक का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव

टेरी, सिंधिया स्कूल और जीवाजी विवि ने युवाओं को किया जागरूक

ग्वालियर

सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बुधवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में संभव अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन टेरी, सिंधिया स्कूल एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। डॉ. निमिषा जादौन ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में लिवलीन के. खालोन ने मिशन लाइफ और सिंगल यूज प्लास्टिक के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं अपूर्वा मलिक ने संभव अभियान के अंतर्गत युवाओं में व्यवहारिक बदलाव की आवश्यकता और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर नियंत्रण के लिए केवल नीतियां ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी और व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी जरूरी है। इसके साथ ही डॉ. निमिषा जादौन ने सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों और इसके नियंत्रण के लिए अपनाई जा सकने वाली तकनीकों की जानकारी दी। प्रो.डीडी अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने में नीति, शोध और जागरूकता के माध्यम से अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि युवा शक्ति को व्यवहारिक बदलाव के लिए प्रेरित कर ही प्लास्टिक मुक्त समाज का लक्ष्य साकार किया जा सकता है।

रिज्यूमे सरल और स्पष्ट होना चाहिए

अभियात्रि की संस्थान में रिज्यूमे बिल्डिंग सत्र आयोजित

ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संस्थान में रिज्यूमे बिल्डिंग विषय पर एक कार्यशाला सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ दर्पण दीक्षित ने विद्यार्थियों को प्रभावी रिज्यूमे तैयार करने के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिज्यूमे ही नियोक्ता पर पहला प्रभाव डालता है, इसलिए इसे सरल, स्पष्ट और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है। एक सुदृढ़ रिज्यूमे न केवल प्रोफेशनल छवि को मजबूत करता है, बल्कि जॉब प्रोफाइल के अनुरूप चयन की संभावना भी बढ़ाता है। सत्र के दौरान छात्रों को अपने शैक्षणिक योग्यता, कौशल एवं अनुभव को आकर्षक और पेशेवर ढंग से प्रस्तुत करने के टिप्स दिए गए, ताकि वे नियोक्ता की अपेक्षाओं पर खरे उतर सकें। विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के रिज्यूमे का मूल्यांकन कर उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कारः झांसी मंडल को 10 शील्ड, 23 रेलकर्मी व 2 अधिकारी सम्मानित

ग्वालियर

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा सूबेदारगंज स्थित भारतीय रेल रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केंद्र में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने की। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी मुदित चंद्रा ने अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में झांसी मंडल का विशेष प्रदर्शन रहा। मंडल को वाणिज्य, ट्रैक मशीन, समग्र इंजीनियरिंग दक्षता, सामान्य सेवा एवं ऊर्जा दक्षता, समय पालन सुधार, माल भाड़ा परिचालन, स्क्रैप संग्रहण सहित कुल 10 शील्ड प्रदान की गईं। साथ ही महाराजा छत्रसाल स्टेशन, छतरपुर को सर्वोत्तम स्टेशन का प्रमाण पत्र मिला। यांत्रिक विभाग को सर्वोत्तम कोचिंग रैक कप और कारखाना दक्षता व राजभाषा शील्ड भी प्रदान की गई। इसके अलावा झांसी मंडल के 21 रेलकर्मियों और 2 अधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक झांसी अनिरुद्ध कुमार सहित विभिन्न मंडलों के अधिकारी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि रेल सप्ताह कर्मचारियों के कार्यों के मूल्यांकन और उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करने का अवसर है, जो भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

मानसिक रोगियों का पुनर्वास गृह अब 50 सीटर होगा

जिलाधीश ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

ग्वालियर

गुड़ीगुढ़ा नाका क्षेत्र में संचालित पुरुष पुनर्वास गृह (लॉन्ग स्टे होम) का विस्तार कर इसकी क्षमता बढ़ाई जा रही है। अब यह केंद्र 50 सीटर बनाया जा रहा है, जिससे अधिक संख्या में मानसिक रूप से स्वस्थ हो चुके लेकिन निराश्रित मरीजों को आश्रय मिल सकेगा।

बुधवार को जिलाधीश रुचिका चौहान ने सामाजिक न्याय विभाग और रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से संचालित इस केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां रह रहे निराश्रितों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जिलाधीश ने प्रत्येक कक्ष में घड़ी लगाने, गर्मी को देखते हुए कूलर और बेहतर वेंटिलेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा मच्छरों से बचाव के लिए जालियां लगाने के निर्देश प्रबंधन को दिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जो निवासी मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं, उनके परिजनों का पता लगाकर उन्हें घर वापस भेजने के प्रयास तेज किए जाएं। वर्तमान में इस पुनर्वास गृह में लगभग 15 लोगों को आश्रय दिया गया है, जिसे बढ़ाकर 50 सीटर बनाया जा रहा है। अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। यहां मानसिक रोग चिकित्सालय से रेफर किए गए मरीजों को रखा जाता है। निरीक्षण के दौरान रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव नवल शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी और सेवाभावी नागरिक मौजूद रहे।

त्रुटिरहित वर्तनी का प्रयोग भाषा का वास्तविक सम्मान : पाण्डे

ग्वालियर। एमएलबी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा अशुद्धि संशोधन के महत्व पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन 25 मार्च को किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दतिया की प्राध्यापक डॉ. प्रतिभा पाण्डे उपस्थित रहीं। उन्होंने अशुद्धि संशोधन के महत्व को बताते हुए उसके प्रकार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अशुद्धि संशोधन का मुख्य उद्देश्य जानकारी को सटीक, विश्वसनीय और त्रुटिहीन बनाना होता है। डॉ. श्रद्धा सक्सेना ने व्याख्यान की भूमिका में कहा कि हिन्दी के किसी भी वाक्य में लिंग, वचन, कारक, संज्ञा, सर्वनाम , विशेषण, पुनरुक्ति और पदक्रम आदि नियमों का पालन कर भाषा को शुद्ध किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. साधना दीक्षित ने किया और आभार डॉ. पुष्पलता सिंह ठाकुर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. आरके सिंह, डॉ. साधना दीक्षित, डॉ. विष्णु अग्रवाल,डॉ. पद्मा शर्मा, डॉ. पुष्पलता सिंह ठाकुर उपस्थित थे।

पर्यटन जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को कॅरियर व विरासत से जोड़ा

ग्वालियर

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान ने सेवार्थ जन कल्याण समिति के सहयोग से शहर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किया। उद्देश्य था विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, विरासत और पर्यटन क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी देना।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान का आधार बताते हुए युवाओं से इससे जुड़ने का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ दीक्षित ने पर्यटन क्षेत्र में बढ़ते रोजगार अवसरों पर प्रकाश डाला। समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर बरुआ ने बताया कि ऐसे सत्र विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं। सेवार्थ जन कल्याण समिति के अध्यक्ष ओपी दीक्षित ने युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने की आवश्यकता बताई। वहीं पुरातत्व विभाग के अधीक्षक एसके राठौर ने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। सत्र में होटल प्रबंधन, ट्रैवल गाइड, टूर ऑपरेटर, एयरलाइन, इवेंट मैनेजमेंट और डिजिटल पर्यटन जैसे कॅरियर विकल्पों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मनोज पांडेय, सचिव राकेश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मोहन लाल अहिरवार एवं सदस्य अखविंदर जुनेजा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

माधव महाविद्यालय की पूर्वछात्र परिषद ने जीवंत की पुरानी यादें

एसके सिंह, राजेंद्र टेम्बे और दीपक बंसल को मिला कुलभूषण सम्मान

ग्वालियर

माधव महाविद्यालय की पूर्वछात्र परिषद द्वारा आयोजित 'समागम 2026' कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने एक बार फिर अपने कॉलेज जीवन की मधुर स्मृतियों को जीवंत किया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले महाविद्यालय के तीन पूर्व छात्रों प्रो. एसके सिंह, पूर्व रणजी खिलाड़ी राजेन्द्र टेम्बे और प्रतिष्ठित व्यवसायी दीपक बंसल को 'कुलभूषण सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं ग्वालियर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राजपूत रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी अशोक शर्मा, अजय जौहरी तथा नगर निगम ग्वालियर के पूर्व उपायुक्त जगदीश अरोड़ा उपस्थित रहे। अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय कार्यपरिषद सदस्य एवं मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो.राजेन्द्र बांदिल ने की।

मुख्य अतिथि रविन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि पूर्व छात्रों का सहयोग महाविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के भाव को अपनाते हुए समाज और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. राजेन्द्र बांदिल ने कहा कि माधव महाविद्यालय वर्ष 1957 से मूल्य आधारित शिक्षा की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है और पूर्व छात्र परिषद इस विरासत को और सशक्त बनाएगी। उन्होंने सभी एल्युमिनाई से परिषद से जुड़कर रचनात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा, पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष आकाश अष्ठाना, सचिव देवेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पुनीत बंसल एवं संयोजक डॉ. मनोज अवस्थी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस दौरान कई पूर्व छात्रों डॉ. अमित बंसल, मनोज मिश्रा, आशुतोष पालीवाल, सन्नी खान सहित अन्य ने अपने अनुभव साझा करते हुए महाविद्यालय से जुड़ी यादों को ताजा किया। संचालन डॉ. मनोज अवस्थी और आभार आकाश अष्ठाना ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शक्ति दीदी पहल से महिलाओं को मिल रही नई पहचान, 107 हुईं आत्मनिर्भर

ग्वालियर

जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में शक्ति दीदी नवाचार प्रभावी पहल बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप शुरू की गई इस योजना के तहत जरूरतमंद महिलाएं पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलीवरी वर्कर के रूप में कार्य कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। नारी शक्ति के महापर्व नवदुर्गा महोत्सव के दौरान बुधवार को जिले में 6 और महिलाओं को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही अब तक कुल 107 महिलाएं इस पहल से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो चुकी हैं। जिलाधीश रुचिका चौहान ने काल्पीब्रिज रोड मुरार स्थित एसआर पेट्रोलियम पर मधु, खुशबू और हेमलता को शक्ति दीदी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने तीनों का फूलमालाओं से स्वागत कर जैकेट और पहचान पत्र प्रदान किए। कलेक्टर ने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व निभाएं, प्रशासन और पुलिस हर स्तर पर सहयोग के लिए तत्पर है। पेट्रोल पंप संचालकों को भी निर्देश दिए गए कि महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसी क्रम में वीरपुर स्थित गंगा सर्विस स्टेशन पर मुस्कान, गुड़ीगुढ़ा नाका स्थित इंदु फिलिंग स्टेशन पर शानू खान और अलापुर क्षेत्र में कविता को भी जिम्मेदारी दी गई।

मंत्र भारत

ग्वालियर -शुक्रवार,27 मार्च 2026

सम्पादकीय

अब युद्धविराम को लालायित ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले तीन-चार दिनों से युद्धविराम पर कुछ ज्यादा ही जोर दे रहे हैं। इससे पहले तक ट्रंप बारंबार ऐलान कर रहे थे कि युद्ध अब खत्म होने ही वाला है, ईरान को हम बस जीतने ही वाले हैं, ईरान बस अब घुटनों पर आने ही वाला है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ट्रंप को हकीकत का एहसास हो गया कि 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोलने और अली खामेनेई की हत्या के बाद वहां अपनी मर्जी का शासक नियुक्त करने और उसके साथ ही ईरानी तेल भंडारों पर कब्जे के जो ख्वाब उन्होंने देखे थे, वो अब पूरी तरह बिखर चुके हैं। इसलिए युद्ध के 26 दिन बीतने के बाद युद्ध छेड़ने वाला अमेरिका पीछे हटता हुआ नजर आ रहा है। लेकिन ट्रंप अपनी अकड़ अब भी बरकरार रखने के लिए दावा कर रहे हैं कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है। जबकि ईरान ने किसी बातचीत या उसकी संभावना तक से इंकार कर दिया है। हालांकि नामुमकिन जैसा कोई शब्द राजनीति में नहीं होता, तो हो सकता है कि आज नहीं तो कल ईरान और अमेरिका फिर बातचीत की मेज पर आएं। लेकिन फिलहाल तो इसमें अमेरिका ज्यादा लालायित दिख रहा है, वहीं जख्मी ईरान और ज्यादा पलटवार करने के इरादे दिखा रहा है। ट्रंप की लाचारी की यह पराकाष्ठा है कि भारत-पाकिस्तान समेत आठ देशों में जंग खत्म करने के दावे करने वाले वो खुद अब मध्यस्थ की तलाश में हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका में बातचीत करवा सकता है, इसमें अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हो सकते हैं, लेकिन ईरानी पक्ष से कौन आएगा यह पता नहीं। पाकिस्तान अगर वाकई यह मध्यस्थता करवाता है, तो भारत के लिए यह बड़ी मात होगी। क्योंकि दुनिया में अब तक पाकिस्तान की छवि आक्रांता देश की रही है, जबकि भारत शांतिदूत की भूमिका में रहा है। अब पाकिस्तान अगर भारत का यह ओहदा छीनने में सफल होता है तो यह मोदी सरकार की बहुत बड़ी कूटनीतिक पराजय होगी। अगर मोदी शुरू से नेहरूजी की बनाई विदेश नीति पर चलते तो न उन्हें किसी को गले लगाने या हाई डियर फ्रेंड बोलने की जरूरत पड़ती, न बिना बात हाहा-हीही करने की। लेकिन निजी छवि के लिए मोदी ने यही सब किया अब भुगतान पूरा देश कर रहा है। अंग्रेजी का एक जुमला है कि तुम मुझे बताओ कि तुम्हारे दोस्त कौन हैं और मैं तुम्हें बताता हूं कि तुम कौन हो। वैसे मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में मध्यपूर्व की जंग पर अपना संक्षिप्त वक्तव्य देने के बाद बुधवार शाम सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। इसमें वो पहले की बैठकों की तरह अनुपस्थित रहेंगे या सारे दलों के नेताओं से चर्चा करने की हिम्मत दिखाएंगे, ये पता चल ही जाएगा। इस बीच नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच होर्मुज खुलवाने से लेकर ऊर्जा संकट आदि मुद्दों पर फोन पर चर्चा हुई है। इस बात की जानकारी भी पहले भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने दी और फिर प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसके बारे में सोशल मीडिया पर बताया। गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने का महत्व शामिल है। कुछ देर बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि बातचीत उपयोगी रही। भारत तनाव कम करने और जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज स्ट्रेट को खुला, सुरक्षित और सबके लिए पहुंच योग्य रखना वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है। खुद को लोकतंत्र का रहनुमा बताने वाले इन दोनों नेताओं में जो बातचीत हुई, उसमें कुछ नया नहीं है। इस चर्चा का महत्व तो तब रहता जब मोदी ट्रंप को दो टूक कहने की हिम्मत दिखाते कि आपने युद्ध छेड़कर ठीक नहीं किया और आपके कारण अब हम भी मुश्किल में फंसे हैं। लेकिन ऐसी कोई बात का जिक्र इस चर्चा में नहीं था। बाकी मोदी की हिम्मत पर सवाल इसलिए भी है कि वे लोकसभा और राज्यसभा में अपने साथी सांसदों से कह सकते थे कि मैं इस संकट के बारे में ट्रंप से चर्चा करने वाला हूं। या बात होने के फौरन बाद ही सोशल मीडिया पर जानकारी दे देते। लेकिन उन्होंने पहले सर्जियो गोर की पोस्ट का इंतजार किया, फिर अपनी तरफ से देश को जानकारी दी। ठीक वैसे ही जैसे ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने की जानकारी पहले ट्रंप ने दी थी, फिर अमेरिका ने। इसके बाद अगर विपक्ष कहे कि पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं, तो इन्हें बुरा लग जाता है। बहरहाल, 26 दिनों के युद्ध में हजारों मौतें हुई हैं, लाखों परिवार बर्बाद हुए हैं, कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं, अरबों का धन बर्बाद हुआ है, दोनों हाथों से संपदा लुटाने वाली धरती को गोले-बारूद की मार से मरणासन्न किया गया है, बेजुबान पशु-पक्षियों, फूलों, पेड़ों, अनगिनत जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर बन आई है, नदियां, सागर, पोखर, तालाब जहरीले हो चुके हैं और अब भी जीत की कोई संभावना नहीं दिख रही तो डोनाल्ड ट्रंप बेतुके तर्कों से युद्धविराम की बात कर रहे हैं। हालांकि ईरान शुरू से कहता आया है कि युद्ध वह अपनी शर्तों पर बंद करेगा और खून की आखिरी बूंद तक लड़ेगा।

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है। भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं। धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं। धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है।

क्या होर्मुज विवाद डॉलर-युआन युद्ध में तबदील हो सकता है?

पिछले हफ्ते ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के बारे में रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें भारत जाने वाले एल.पी.जी. वाहक भी शामिल थे। इनमें से एक समूह, कोई आश्चर्य की बात नहीं, ईरानी कच्चे तेल का निर्यात करने वाले जहाजों का था। डाटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के अनुमान के अनुसार, अमरीका और इसराईल के साथ शत्रुता के बावजूद मार्च में ईरान के तेल शिपमैंट ने औसतन 1.3-1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गति बनाए रखी। रिपोर्ट के अनुसार, इसका अधिकांश हिस्सा चीन के लिए था, जिसे छोटे रिफाइनर चीनी युआन में भुगतान करके खरीद रहे थे। इसके विपरीत, खाड़ी देशों, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान व्यापारिक वस्तु को डॉलर में बेचते हैं, ने अपने तेल को फंसा हुआ पाया है। दशकों से, मुद्रा युद्ध का अर्थ व्यापारिक लाभ के लिए निर्यात को सस्ता करने के लिए पारस्परिक अवमूल्यन का खेल रहा है। क्या होर्मुज एक ऐसा केंद्र बिंदू है, जो एक नए प्रकार के पैट्रो-मुद्रा युद्ध को जन्म दे सकता है? दुनिया के प्रमुख निर्यातक के रूप में, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने लगभग आधे व्यापार को युआन में परिवर्तित किया है। दुनिया के सबसे सस्ते तरीके से निकाले जाने वाले तेल के संरक्षक के रूप में, इस्लामी गणराज्य ने पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस सुविधाओं पर हुए हमलों के बाद क्षेत्रीय राजतंत्रों के साथ अमरीकी गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पुनघ्वचार करने का आग्रह किया। डॉलर में तेल का व्यापार लंबे समय से डॉलर की वैश्विक तरलता को स्थिर रखने में सहायक रहा है, यहां तक कि अमरीका द्वारा सोने के बदले डॉलर का भुगतान बंद करने के बाद भी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, कच्चे तेल, गैस और अन्य आयातकों के लिए कीमतें बढने के कारण डॉलर की मांग में उछाल आया है, जिससे डॉलर की कीमत में टैरिफ के कारण आई गिरावट से उबरने में मदद मिली है। व्यापार भुगतानों पर इसका प्रभुत्व आरक्षित मुद्रा के वैश्विक निर्धारक के रूप में अमरीका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे शायद अमरीकी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए डॉलर की मजबूती कम हुई हो लेकिन यह अमरीका को एक विशेषाधिकार भी प्रदान करता है। यह अपने राजकोषीय घाटे को बढ़ा सकता है और आसानी से ऋण का ढेर लगा सकता है, क्योंकि इसे अन्य देशों से सस्ते में उधार लेने की सुविधा मिलती है। जो देश इसके बांड खरीदते हैं या अन्य तरीकों से इसमें पूंजी का निर्यात करते हैं। इससे एक महत्वपूर्ण आघ्थक लाभ मिलता है-पूंजी की कम लागत। फिर भी, इसराईल के साथ ईरान पर इसके संयुक्त हमले ने मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम के कारण इसके बांड यील्ड को बढ़ा दिया है। टैरिफ लगाने वाले व्हाइट हाऊस ने अपनी डॉलर नीति पर मिले-जुले संकेत दिए हैं लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए ईरान को दिया गया इसका अल्टीमेटम तेल संबंधी रणनीति का हिस्सा है, जैसे ईरान के खार्ग निर्यात टर्मिनल पर इसकी नजर। यदि चीन चुपचाप होर्मुज के लिए लंबी लड़ाई के परिणाम में हिस्सेदारी चाहता है, तो संभवतरू इसके बदले में कच्चे तेल के बिल को युआन के पक्ष में स्थानांतरित करना शामिल है। निश्चित रूप से, अभी तक मुद्रा युद्ध छिड़ा नहीं है लेकिन इसका खतरा अब मामूली नहीं है। इस युद्ध का भारतीय रुपए पर क्या प्रभाव पड़ेगा? दुर्भाग्य से, अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। पूंजी प्रवाह में कमी के कारण व्यापार घाटा बढने की आशंका है, ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) की संकटमोचक भूमिका पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। डॉलर की बिक्री से रुपए की तरलता भी कम हो रही है, इसलिए इस कमी को दूर करने के लिए आर.बी.आई. को खुले बाजार में बॉन्ड की खरीद बढ़ानी होगी। हालांकि, इस प्रक्रिया की भी एक सीमा है, जिसका अर्थ है कि ब्याज दरों को बढने से रोकने के लिए रुपए को और कमजोर होना पड़ सकता है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, रुपए में गिरावट से निर्यात को बढ़ावा देने की तुलना में मुद्रास्फीति बढने की संभावना अधिक है, इसलिए आर.बी.आई. को अपने कार्यों को विवेकपूर्ण ढंग से समायोजित करना चाहिए। चूंकि विनिमय दरों और उधार देने के बीच आर.बी.आई. का एक अन्य प्रमुख संतुलन रुपए की आंशिक परिवर्तनीयता से उत्पन्न होता है, इसलिए कुछ पूंजी बहिर्वाह पर कड़े प्रतिबंध लगाने से उसका काम आसान हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक संकट का संकेत मिलेगा और इसे उचित ठहराने के लिए पूंजी प्रवाह में भारी कमी की आवश्यकता होगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक इष्टतम मुद्रा नीति के लिए, मौजूदा स्थिति का शांत होना आवश्यक है। मौजूदा रुझानों को देखते हुए, डॉलर-युआन के बीच टकराव की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। केंद्रीय बैंकों को तदनुसार अपने परिदृश्य विश्लेषण में विविधता लाने की आवश्यकता हो सकती है। भू-राजनीतिक उथल-पुथल ने ब्लैक स्वान जैसी घटनाओं को भी धूसर बना दिया होगा।

पश्चिम एशिया युद्ध में परमाणु खतरे के प्रति लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं

डॉ. अरुण मित्रा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अंतिम घोषित तिथि बढ़ा दी है। ऐसा लगता है कि यह फैसला उनके वरीय सैन्य नेतृत्व की सलाह पर, और साथ ही यूरोपीय देशों और खाड़ी सहकारी परिषद् (जीसीसी) के देशों के दबाव में लिया गया है। इन देशों को डर है कि अमेरिका द्वारा जरूरी अवसंरचना पर बमबारी के बदले में, ईरान डीसेलिनेशन और जल शोधन संयंत्रों को निशाना बना सकता है, जिससे इस इलाके में लाखों लोगों को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरान के साथ अच्छी बातचीत चल रही है। लेकिन ईरान ने ट्रंप के इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है। यह दावा ध्यान भटकाने की एक तरकीब हो सकती है, हालांकि इस बात की ज्यादा संभावना है कि अमेरिकी प्रशासन को ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्प की सीमाओं का एहसास होने लगा है। अमेरिका के अंदर भी ट्रंप की बात को कोई बहुत ज्यादा समर्थन नहीं मिल रहा है। लोगों की राय का एक बढ़ता हुआ हिस्सा मानता है कि वह नेतन्याहू के सामरिक एजेंडा से प्रभावित हुए हैं और यह अमेरिका की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस इलाके में विस्तार के एक बड़े जायोनी नजरिए का हिस्सा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि वह 30 मिनट के अंदर लड़ाई खत्म कर सकते हैं। सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसा नतीजा सिर्फ नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल से ही मुमकिन होगा। यह बयानबाजी बहुत चिंताजनक है, खासकर ऐसे नेता की तरफ से जिसे जल्दबाजी में काम करने वाला और

अलग-अलग राय रखने वाला माना जाता है- जो अक्सर अचानक फैसले लेता है, अपने बयान बदलता है, और लंबे समय की कोई सही रणनीति नहीं दिखाता। लगभग तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद अमेरिका और इजरायल दोनों ही निराश दिख रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि ईरान कुछ ही दिनों में हार मान लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उम्मीदों के उलट, ईरान ने न सिर्फ अमेरिकी-इजरायली हमले का विरोध किया है, बल्कि खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई भी की है। ईरान के एफ-35 जैसे अतिविकसित लड़ाकू विमान को गिराने की खबरों ने हैरानी और बढ़ा दी है- जिन्हें सिर्फ अमेरिका और इजरायल चलाते हैं। इसके अलावा, ईरान ने हिंद महासागर में 4,000 किलोमीटर दूरी तक मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें दागी हैं, जिससे उसके दुश्मन परेशान हैं। डिमोना नाभिकीय संयंत्र समेत संवेदनशील जगहों के पास हाल के हमलों ने इजरायल की चिंता बढ़ा दी है। यह युद्ध एक बार फिर इजरायली सरकार की मानवीय नियमों और अन्तरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाता है। बच्चों समेत आम लोगों को हमलों का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा है, जबकि जरूरी अवसंरचना को सुनियोजित तरीके से नष्ट कर दिया गया है। गाजा में हुई तबाही और लेबनान में दुश्मनी का बढ़ना इस रूझान को और मजबूत करता है। साथ ही, खाड़ी देश अमेरिका के सुरक्षा भरोसे की कमियों को तेजी से पहचान रहे हैं। ऐसा लगता है कि अमेरिका भी बढ़ते अकेलेपन का सामना कर रहा है। नाटो ने कथित तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में शामिल होने से मना कर दिया है, जबकि यूरोपीय देश सैन्य गतिविधियों में शामिल होने से हिचकिचा रहे हैं। ट्रम्प ने इन देशों को श्कायरश कहकर उनकी बुराई की है, जिससे रिश्ते और खराब हो गए हैं। यूरोपीय नेताओं ने उनके शामिल होने की संभावना पर ही सवाल उठाते हुए जवाब दिया है, यह देखते हुए कि अगर अमेरिका- अपनी जबरदस्त नौसैनिक शक्ति के साथ- जलडमरूमध्य को सुरक्षित नहीं रख सकता, तो छोटी यूरोपीय सेनाएं तो बेअसर हो जाएंगी। खतरा यह है कि तनाव और बढ़ सकता है। अगर ईरान इजरायल या पूरे इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जरूरी सामरिक हमला करने में कामयाब हो जाता है, तो अमेरिकी नेतृत्व में निराशा और बढ़ सकती है। ट्रंप के जल्दबाज स्वभाव को देखते हुए, इस बात की असली चिंता है कि वह नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल सहित बहुत ज्यादा सख्त कदम उठा सकते हैं। इस खतरे को और बढ़ाने वाली बात मौजूदा अमेरिकी नेतृत्व की बनावट है, जिसमें अनुभवी राजनेता की कमी दिखती है और जो रणनीतिगत दूरदर्शिता के बजाय व्यापारिक सोच से ज्यादा प्रेरित है। नेतन्याहू के राज में इजरायल एक बदमाश देश बन गया है। इजरायली विरासत मंत्री अमीचाईएलियाहू ने गाजा पर नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। यह उनकी सोच को दिखाता है जिसके अब बदलने की उम्मीद कम है, खासकर तब जब ईरान ने इजरायल में डिमोना नाभिकीय संयंत्र के पास हमला किया है।

श्रीराम आज भी प्रासंगिक क्यों हैं?

सभी पाठकों को पावन रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं। हिंदू परम्परा में श्रीराम भगवान विष्णु के सातवें अवतार हैं, जिनका अवतरण त्रेता युग में हुआ। महर्षि वाल्मीकि प्रणीत रामायण और गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरितमानस में श्रीराम को जिस रूप में चित्रित किया गया है, वह आज भी कितना प्रासंगिक है, यह एक स्वाभाविक विचार है। इसी संदर्भ में भगवान विष्णु के ही आठवें अवतार श्रीकृष्ण का भी स्मरण होता है। दोनों ही करोड़ों ड्ढूहदुओं के लिए केवल ईश्वर नहीं, बल्कि आस्था, मयार्दा, जीवन-दर्शन और पथ-प्रदर्शक के शाश्वत प्रतीक हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम धर्म, त्याग और आदर्श शासन की प्रेरणा देते हैं, जबकि योगेश्वर श्रीकृष्ण कर्म, नीति, प्रेम और जीवन के गूढ़ रहस्यों का बोध कराते हैं। दोनों के बिना भारतीय जीवन-दृष्टि अपूर्ण है। श्रीराम और श्रीकृष्ण भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में अवतरित हुए। श्रीराम का जन्म ऐसे वातावरण में हुआ, जहां परिवार और समाज का पूर्ण सहयोग उन्हें प्राप्त रहा। माता-पिता, भरत और लक्ष्मण जैसे त्यागमयी भाई-सभी ने जीवन के प्रत्येक मोड़ पर उनका साथ दिया। यहां तक कि कैकेयी, जिनके कारण उन्हें कष्टकारी वनवास मिला-वे भी उनकी अपनी हैं। अयोध्यावासी भी उनके प्रति गहन प्रेम और निष्ठा रखते थे। इस प्रकार श्रीराम का संघर्ष मुख्यतरू बाहरी है। इसके विपरीत, श्रीकृष्ण का जीवन प्रारंभ से ही अंतर्युद्ध का प्रतीक रहा। जन्म लेते ही उन्हें अपने ही मामा कंस के भय से गोकुल भेजना पड़ा। वहां भी उनके वध हेतु कालिया, पूतना, शकटासुर, त्रिणावर्त, वत्सासुर, अघासुर, बकासुर, व्योमासुर और अरिष्टासुर जैसे अनेक असुरों को भेजा गया। फिर भी कान्हा ने अपने सभी शत्रुओं को परास्त किया। आगे महाभारत के रूप में उन्हें अपने ही कुल-परिवार के भीतर भीषण छल और युद्ध का सामना करना पड़ा। श्रीराम, पिता के निधन का समाचार पाकर वन में विलाप करते हैं और सीता-हरण के पश्चात व्याकुल होकर वन-वन भटकते हैं। इसके प्रतिकूल, श्रीकृष्ण बाल्यकाल से ही अद्वितीय धैर्य और संतुलन के प्रतीक बने रहते हैं। जन्म से लेकर प्रभास क्षेत्र तक उनके जीवन में असंख्य चुनौतियां आईं, किंतु श्रीकृष्ण ने कभी उन्हें अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और सुदर्शन चक्रधारी के रूप में हर बार भगवान विष्णु के आठवें अवतार के रूप में अपनी दिव्यता का परिचय कराया। वहीं श्रीराम हरि अवतार होते हुए भी अपनी प्रत्येक पीड़ा का सामना सामान्य मानव की तरह करते हैं। चूंकि सामान्य मनुष्य को श्रीकृष्ण की भांति आलौकिक शक्तियां प्राप्त नहीं होतीं, इसलिए श्रीराम का जीवन हर युग में मानव के लिए अधिक अनुकरणीय प्रतीत होता है। श्रीराम उन जीवन-मूल्यों के संग्रह हैं, जो व्यक्ति, समाज और विश्व को संतुलित, सुखी और मर्यादित जीवन जीने की दिशा दिखाते हैं। उनके जीवन का विश्लेषण अनेक मिथकों को खंडित करता है और यह बताता है कि प्रत्येक परिस्थिति में मनुष्य को कैसा आचरण करना चाहिए। उदाहरणस्वरूप, पिनाक (शिवधनुष) भंग होने के पश्चात जब भगवान परशुराम और लक्ष्मण के बीच वाक्य-विवाद होता है और वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण हो जाता है, तब श्रीराम अपनी विनम्रता और मधुर वाणी से स्थिति को संभालते हैं। फिर परशुरामजी, श्रीराम की महिमा स्वीकार करते हुए उनकी स्तुति करते हैं और तपस्या हेतु वन चले जाते हैं, कहि जय जय रघुकुल केतु, भृगुपति गए बनहि तप हेतु। यह प्रसंग सिखाता है कि सफलता के शिखर पर पहुंचकर भी व्यक्ति को संयम और विनय नहीं छोडना चाहिए। श्रीराम सामाजिक समरसता के जीवंत प्रतीक हैं। वनवास के कठिन समय में उन्होंने अपने सहयोगी वन से चुने। केवट, निषाद, कोल, भील, किरात और वानर-भालू सभी उनके साथी बने। यदि वह चाहते, तो अयोध्या या जनकपुर से सहायता ले सकते थे, किंतु उन्होंने समाज के उन वर्गों को अपनाया, जिन्हें आज दलित, आदिवासी या पिछड़ा कहा जाता है। उन्होंने इन सभी को सखा कह कर संबोधित किया और हनुमानजी को लक्ष्मण से भी अधिक प्रिय बताया रू सुनु कपि जिय मानसि जनि ऊना, तैं मम प्रिय लछिमन ते दूना। इस संदर्भ में शबरी प्रसंग अत्यंत मार्मिक है। शबरी स्वयं को अत्यंत निम्न मानते हुए कहती हैं, अधम ते अधम अधम अति नारी, किंतु श्रीराम उत्तर देते हैं कि वह केवल भक्ति का संबंध मानते हैंरू जाति-पांति कुल धर्म बड़ाई। इस प्रकार वह स्पष्ट करते हैं कि मनुष्य का मूल्य उसकी जाति या सामाजिक स्थिति से नहीं, बल्कि उसके भाव और कर्म से निर्धारित होता है। इसी प्रकार, गिद्धराज जटायु, जो सामान्य दृष्टि में तुच्छ पक्षी है, सीता जी की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करते हैं। तब श्रीराम उन्हें पितातुल्य सम्मान देते हुए उनका अंतिम संस्कार करते हैं। यह दशार्ता है कि उनके लिए कर्म ही सर्वोपरि है। रावण, जो पुलस्त्य कुल में जन्मा विद्वान ब्राह्मण, महान शिवभक्त और स्वर्ण लंका का सम्राट था, अपने दुराचरण के कारण अधर्म का प्रतीक बन गया। परिणामस्वरूप, हनुमानजी द्वारा लंका-दहन और श्रीराम द्वारा उसका वध यह संदेश देता है कि सामाजिक और आध्यात्मिक मूल्यों की रक्षा हेतु किसी भी व्यक्ति को उसके पद, वंश या सामर्थ्य से नहीं, बल्कि उसके आचरण के आधार पर आंका जाना चाहिए।

लखीमपुर खीरी के शारदा बैराज में टेंट सिटी से खुलेगा पर्यटन के नए युग का द्वार

लखनऊ (संवाददाता)। लखीमपुर खीरी का शारदा बैराज अब पर्यटन मानचित्र पर बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड यूपीईटीडीबी 2.67 एकड़ क्षेत्र में निजी सहभागिता से टेंट सिटी विकसित करने जा रहा है, जिसके लिए निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। सरकार की योजना प्रकृति की गोद में बसे इस खूबसूरत स्थल को श्एकोमोडेशन एंड वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशनश के रूप में विकसित कर पर्यटकों के लिए नया आकर्षण केंद्र बनाने की है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्लखीमपुर खीरी स्थित शारदा बैराज को जल्द ही एक प्रमुख पर्यटन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। तहसील सदर ग्राम कोठिया के निकट करीब 2.67 एकड़ भूमि पर आकर्षक टेंट सिटी विकसित की जाएगी, जो पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगी। दुधवा नेशनल पार्क के करीब स्थित इस जगह को आधुनिक वेलनेस सुविधाओं से जोड़ने की योजना है, ताकि यहां आने वाले सैलानी प्राकृतिक सौंदर्य के बीच बेहतर स्वास्थ्य और शांत वातावरण का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकें। सरकार की पहल से न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्रीय विकास और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

हृदय रोग के 10 में सात मरीज बिना बीमा, इलाज खर्च लाख पार; कर्ज में डूबे परिवार, बढ़ा आर्थिक संकट

क्या दिल की बीमारी अब सिर्फ सेहत का संकट नहीं, बल्कि जेब पर पड़ने वाला सबसे बड़ा हमला बन चुकी है? भारत में हर साल हजारों परिवार इलाज के खर्च के बोझ तले दब रहे हैं और चौंकाने वाली बात यह है कि ज्यादातर मरीजों के पास कोई बीमा तक नहीं है। भारत में हार्ट फेलियर अब सिर्फ एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि तेजी से उभरता आर्थिक संकट भी बनता जा रहा है। एक नए अध्ययन के मुताबिक देश में 10 में से 7 मरीजों के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है, जिसके कारण उन्हें अपने इलाज का 90 फीसदी से ज्यादा खर्च खुद उठाना पड़ता है। औसतन एक मरीज पर सालाना 1लाख रुपए का खर्च आता है, जो सीमित आय वाले परिवारों के लिए भारी आर्थिक बोझ साबित हो रहा है।

केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के इस अध्ययन में देशभर के 1,859 हार्ट फेलियर मरीजों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। यह शोध ग्लोबल हार्ट जर्नल में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन साफ संकेत देता है कि भारत में हृदय रोगों का इलाज बड़ी संख्या में परिवारों को आर्थिक रूप से कमजोर कर रहा है।हार्ट फेलियर एक दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें मरीज को लगातार दवाइयों, जांच और अस्पताल के नियमित दौरे की जरूरत होती है। इसी वजह से इलाज का खर्च लगातार बढ़ता रहता है। अध्ययन के अनुसार एक मरीज का औसत वार्षिक खर्च 1,06,566 रुपए है, जो कई परिवारों की कुल आय के बराबर या उससे अधिक है।इस बीमारी का असर सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मरीज और उसके परिवार की आय पर भी पड़ता है।

कई मरीज काम करने में असमर्थ हो जाते हैं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य को देखभाल के लिए अपनी नौकरी छोड़नी पड़ती है। अध्ययन में पाया गया कि लगभग एक-तिहाई परिवारों की आय में गिरावट दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक करीब 38 फीसदी परिवारों को कैटास्ट्रॉफिक खर्च का सामना करना पड़ा, यानी इलाज पर इतना खर्च हुआ कि उनकी आय का बड़ा हिस्सा खत्म हो गया। इतना ही नहीं, लगभग 18 फीसदी परिवारों को इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ा या अपनी संपत्ति बेचनी पड़ी। यह स्थिति उन्हें लंबे समय तक आर्थिक अस्थिरता की ओर धकेल सकती है।

बीमा से राहत लेकिन पहुंच अब भी सीमित

अध्ययन में यह भी सामने आया कि जिन मरीजों के पास स्वास्थ्य बीमा था, उनके ऊपर आर्थिक दबाव अपेक्षाकृत कम रहा। बावजूद इसके, करीब 70 फीसदी मरीज अब भी बीमा से वंचित हैं, जिससे वे इलाज के खर्च का बोझ अकेले उठाने को मजबूर हैं।

नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत

शोधकताओं ने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा है कि हार्ट फेलियर का इलाज भारत में एक स्वास्थ्य चुनौती के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक समस्या भी बन गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस संकट से निपटने के लिए स्वास्थ्य बीमा कवरेज का विस्तार, सस्ती और सुलभ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता तथा टिकाऊ वित्तीय मॉडल विकसित करना जरूरी है। अध्ययन स्पष्ट करता है कि यदि समय रहते प्रभावी नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो हृदय रोगों का बढ़ता बोझ लाखों परिवारों को गरीबी और आर्थिक असुरक्षा की ओर धकेल सकता है।

खत्म होने वाला है मार्च, अप्रैल में यहां घूमने का बना सकते हैं प्लान

अगर आप अप्रैल में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो यहां कुछ जगहों के बारे में बताएंगे जो अप्रैल के महीने में काफी खूबसूरत हो जाती हैं। अप्रैल का महीना यात्रा के लिए बहुत ही अनुकूल माना जाता है। इस समय मौसम

सुहावना होता है, नजारे खुशनुमा और वातावरण में हरियाली और फूलों की रंगत अपने चरम पर होती है। यदि आप अप्रैल में छुट्टी या वीकेंड पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो ऐसे कई खूबसूरत स्थल हैं जहां आपको प्रकृति, संस्कृति और रोमांच का अद्भुत अनुभव मिल सकता है। चाहे आप पहाड़ों की ठंडी हवा में ट्रेकिंग करना चाहें, समुंदर किनारे शांति का आनंद लेना चाहें या किसी ऐतिहासिक स्थल की सैर करना चाहें, अप्रैल में ये जगहें हर प्रकार के ट्रैवलर्स के लिए परफेक्ट हैं। इस माह यात्रा करने से न केवल आपको प्राकृतिक सुंदरता देखने को मिलेगी बल्कि मानसून से पहले के साफ और सुहावने मौसम में अपने ट्रिप का पूरा आनंद उठा सकते हैं।

उदयपुर, राजस्थान

उदयपुर को 'झीलों का शहर' कहा जाता है। यहां की सुंदर झीलें जैसे पिछोला और फतेहसागर, पुराने महल और हवेलियां पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती हैं। अप्रैल में मौसम गर्मी के पहले सुहावना रहता है, जो झीलों में नाव की सैर और सिटी पैलेस विजिट के लिए परफेक्ट है। यहां की पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति, हाट और लोक कला भी देखने लायक होती है।

कौसानी, उत्तराखंड

कौसानी एक शांत पहाड़ी स्थल है जो हिमालय की चोटियों का अद्भुत दृश्य पेश करता है। अप्रैल में मौसम ठंडा और साफ होता है, जिससे सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा अद्वितीय लगता है। कौसानी चाय बागानों और हरे-भरे खेतों के लिए भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए आदर्श है।

गोवा

गोवा का नाम आते ही बीच, सनसेट और वाटर स्पोर्ट्स याद आते हैं। अप्रैल में समुद्र का पानी साफ और मौसम गर्मी के साथ सुहावना होता है। गोवा में आप बीच पार्टियां, शांति भरे समुद्री किनारे, और पोतुर्गीज शैली की वास्तुकला का मजा ले सकते हैं। कश्मीर को 'धरती का स्वर्ग' कहा जाता है। अप्रैल में यहां के गुलाब, ट्यूलिप और चाय बागानों की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। डल झील की नाव की सैर, शिकार घाट और पहाड़ी हाइकिंग अप्रैल के मौसम में बेहद आकर्षक होती हैं।

सुबह पेट साफ नहीं हुआ तो ये नुस्खे आजमाकर देख लें, मिल सकता है आराम

अगर सुबह आपका भी पेट साफ नहीं होता है तो एक बार कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर ट्राई कर लें। यहां इस बारे में जानकारी दी जा रही है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और गलत खानपान के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं आम होती जा रही हैं। कई लोग सुबह उठने के बाद पेट साफ न होने की समस्या से परेशान रहते हैं, जिसे कब्ज भी कहा जाता है। ये समस्या छोटी लग सकती है, लेकिन लंबे समय तक बनी रहे तो यह कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। पेट सही तरीके से साफ न होने पर दिनभर सुस्ती, गैस, एसिडिटी और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है। ऐसे में दवाइयों पर निर्भर रहने की बजाय कुछ आसान घरेलू नुस्खों को अपनाकर इस समस्या से राहत पाई जा सकती है। सही खानपान और लाइफस्टाइल में थोड़े बदलाव से आप अपने पाचन तंत्र को मजबूत बना सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसे असरदार घरेलू उपाय बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप सुबह पेट साफ न होने की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

गुनगुना पानी पीना

सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुना पानी पीना सबसे आसान और असरदार उपायों में से एक है।

यह आंतों को सक्रिय करता है और पाचन तंत्र को ह्लजागनेह्व का संकेत देता है।

नियमित रूप से यह आदत अपनाने से कब्ज की समस्या धीरे-धीरे खत्म हो सकती है।

नींबू और शहद

गुनगुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीना एक नेचुरल डिटॉक्स ड्रिंक की तरह काम करता है।

नींबू पाचन एंजाइम्स को एक्टिव करता है, जबकि शहद आंतों को लुब्रिकेट करता है।

इससे मल त्यागना आसान होता है और पेट हल्का महसूस होता है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर पाचन तंत्र के लिए बेहद जरूरी होता है।

फल (जैसे पपीता, सेब), हरी सब्जियां, ओट्स, दलिया और चिया सीड्स का नियमित सेवन करने से कब्ज की समस्या में काफी सुधार आता है।

रात में त्रिफला का सेवन

आयुर्वेद में त्रिफला को पाचन के लिए बहुत लाभकारी माना गया है।

यह तीन औषधियों (आंवला, हरड़, बहेड़ा) का मिश्रण होता है।

रात को सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ लेने पर यह आंतों को साफ करता है और सुबह पेट आसानी से साफ होता है।

नियमित एक्सरसाइज

शारीरिक गतिविधि पाचन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती है।

सुबह की वॉक, योग या हल्की एक्सरसाइज आंतों की मूवमेंट को बढ़ाती है।

खासकर पवनमुक्तासन और भुजंगासन जैसे योगासन कब्ज में काफी फायदेमंद होते हैं।

पहली बार कर रहे हैं अभ्यास तो तस्वीरों से सीखें योग, ये आसन हैं आपके लिए

योग भारत की प्राचीन परंपरा है, जिसे आज पूरी दुनिया अपनाने लगी है। लेकिन जब कोई व्यक्ति पहली बार योग करना शुरू करता है, तो सबसे बड़ी दिक्कत होती है, शुरूआत किस योग से करें और अभ्यास का सही तरीका क्या होता है? योग के कठिन नाम, लंबे नियम और जटिल आसन अक्सर शुरूआती योगी को भ्रमित कर देते हैं। ऐसे में तस्वीरों की मदद से योग सीखना सबसे आसान और सुरक्षित तरीका माना जाता है। तस्वीरें शरीर की सही मुद्रा, हाथ-पैर की स्थिति और सांस लेने की दिशा को स्पष्ट रूप से समझा देती हैं। इससे गलत अभ्यास का खतरा कम होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। शुरूआती योगाभ्यास का मकसद

कठिन आसन करना नहीं, बल्कि शरीर को धीरे-धीरे योग के अनुकूल बनाना होता है। अगर शुरूआत सही हो तो आगे चलकर योग जीवनशैली का हिस्सा बन जाता है। पहली बार योग करने वालों को ऐसे आसन चुनने चाहिए, जो सरल, सुरक्षित और शरीर के हर हिस्से पर हल्का असर डालें। जैसे ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन, बालासन और शवासन। इन आसनों को तस्वीरों के साथ देखकर किया जाए, तो शरीर की जकड़न कम होती है, सांसों पर नियंत्रण आता है और मन भी शांत रहता है।

ताड़ासन

ताड़ासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को एक साथ रखें। हाथों को साइड में रखें। अपनी छाती को उठाएं और पूरे शरीर को लंबा खींचें। फिर गर्दन को लंबा करें और ठोड़ी को समानांतर रखें। इस स्थिति में 30 सेकंड से 1 मिनट तक रुकें।

वज्रासन

व्रजासन के अभ्यास के लिए तस्वीर में दिख रही मुद्रा के जैसे घुटनों के बल बैठें। एड़ियों पर कूल्हे टिकाएं और रीढ़ सीधी रखें। श्वांस लें और अपना ध्यान सांसों पर रखें।

भुजंगासन

तस्वीर में देख सकते हैं, भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटा जाता है। हथेलियों को कंधों के नीचे रखते हुए शरीर का भार हथेलियों पर देते हैं। अब सांस लेते हुए छाती को ऊपर उठाया जाता है।

बालासन

इस आसन को करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं। फिर माथे को जमीन पर टिकाएं और हाथों को आगे की ओर फैलाएं या शरीर के बगल में रखें। इस दौरान श्वास पर ध्यान केंद्रित करें।

शवासन

शवासन के अभ्यास के लिए पीठ के बल सीधे लेट जाएं। पैर थोड़े खुले हों, हाथ शरीर की सीध में और हथेलियां ऊपर की ओर हों। आंखें बंद करें और अपने पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें। 5-10 मिनट तक इस स्थिति में रहें।

सिर्फ फोन देखने से ही आंखें नहीं होती खराब, एसी और हवा भी नजर को करती है कमजोर

कुछ दिन ऐसा होते हैं जब आंखें भारी, सूखी और अजीब सी थकी हुई महसूस होती हैं। ऐसा तब भी होता है जब स्क्रीन पर ज्यादा समय न बिताया गया हो। यह बात थोड़ी उलझन भरी लग सकती है। आखिर, अक्सर स्क्रीन को ही इसका दोषी माना जाता है। लेकिन सच्चाई इससे कहीं ज्यादा सरल और गहरी है। आंखों की थकान हमेशा इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कोई व्यक्ति कितनी देर तक किसी डिवाइस को देखता है। बल्कि, यह इस बात पर निर्भर

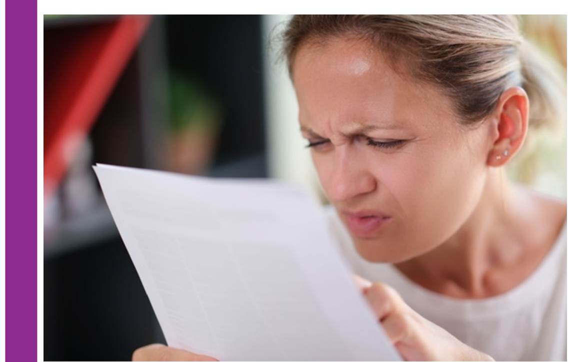

करती है कि पूरे दिन आंखें किस तरह काम करती हैं। इसका संबंध रोशनी, नींद, हवा, बैठने-उठने के तरीके (चवेजनतम) और यहां तक कि हमारी भावनाओं से भी होता है।

बिना स्क्रीन टाइम के भी आंखें थकने के कारण

नींद की कमीः अगर आप रोज 7,8 घंटे की अच्छी नींद नहीं लेते, तो आंखों को आराम नहीं मिलता और वे थकी हुई लगती हैं। इससे लाल आंखें, भारीपन, बार-बार जम्हाई की समस्या रहती है।

ड्राई आई (आंखों में नमी की कमी)ः कम पलक झपकाना, ज्यादा ॅ में रहना या पानी कम पीना इन सब से भी आंखें सूख जाती हैं। इससे आंखों में जलन, खुजली, चुभन होती है।

पोषण की कमीः विटामिन ए, सी और ओमेगा-3 की कमी आंखों की थकान बढ़ा सकती है। इससे धुंधला दिखता है रात में कम दिखने लगता है।

तनाव और मानसिक थकानः मेंटल स्ट्रेस का असर सीधे आंखों पर भी पड़ता है। इससे सिरदर्द, आंखों में दबाव रहता है।

गलत नंबर का चश्माः अगर आपका चश्मा सही नहीं है या आप जरूरत होने पर भी नहीं पहनते, तो आंखों पर जोर पड़ता है।

एलर्जी या धूल-मिट्टीः पोल्यूशन, धूल या एलर्जी के कारण भी आंखों में जलन और थकान हो सकती है।

आंखों पर ध्यान देने की जरुरत

अगर लगातार दर्द या जलन बनी रहे, धुंधला दिखना शुरू हो जाए, सिरदर्द बार-बार हो तो डॉक्टर से जांच जरूर कराएं। आंखों की थकान कम करने केलिए 1. 20-20-20 नियम अपनाएं, यानी हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखें। आंखों को ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं घुमाएं, हथेलियों से हल्का दबाव देकर रिलैक्स करें। ध्यान रखें कि आंखों की थकान सिर्फ स्क्रीन से नहीं, बल्कि आपकी लाइफस्टाइल का आईना होती है इसे समझना और सुधारना जरूरी है।

खून की नलियों में जमा गंदें कोलेस्ट्रॉल को कैसे कम करें

हमारे शरीर में कोलेस्ट्रॉल एक तरह का फैट होता है, जो शरीर के कई जरूरी कामों के लिए आवश्यक है। लेकिन जब इसका स्तर ज्यादा बढ़ जाता है, खासकर स्क्स यानी खराब कोलेस्ट्रॉल, तो यह खून की नलियों में जमा होने लगता है। इससे ब्लॉकिज बन सकता है, जो आगे चलकर दिल की बीमारी, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बनता है। अच्छी बात यह है कि सही खानपान और जीवनशैली में बदलाव करके इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

ट्रांस फैट से दूरी बनाना बहुत जरूरी

ट्रांस फैट सबसे खतरनाक प्रकार का फैट माना जाता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को बढ़ाता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करता है। यह आमतौर पर प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड में पाया जाता है, जैसे कि बिस्किट, केक, पेस्ट्री, नमकीन, चिप्स और तली-भुनी चीजें। फास्ट फूड जैसे पिज्जा, बर्गर और फ्रेंच फ्राइज में भी इसकी मात्रा अधिक होती है। बार-बार ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करने से खून की नलियों में फैट जमा होने लगता है। इसलिए बेहतर है कि आप ताजे, घर के बने और कम तेल वाले भोजन को प्राथमिकता दें और पैकेज्ड फूड का सेवन कम से कम करें।

अच्छे फैट को अपनी डाइट में शामिल करें

सभी फैट नुकसानदायक नहीं होते। मोनोअनसैचुरेटेड और

पॉलीअनसैचुरेटेड फैट जैसे ह्लअच्छे फैटह्व शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। ये खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे फैट एवोकाडो, ऑलिव ऑयल, मूंगफली का तेल, बादाम, अखरोट, काजू और बीजों में पाए जाते हैं। इनका नियमित और संतुलित मात्रा में सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है और खून की नलियां साफ बनी रहती हैं। हालांकि, इनका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि ज्यादा मात्रा में कोई भी फैट नुकसान पहुंचा सकता है।

नियमित व्यायाम करें

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने का सबसे प्रभावी तरीका है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर शारीरिक गतिविधियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है। रोजाना कम से कम 30 मिनट की एक्सरसाइज, जैसे तेज चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना या तैराकी, न केवल वजन को नियंत्रित करती है बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करती है। एक्सरसाइज करने से अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) का स्तर बढ़ता है, जो धमनियों से खराब फैट को हटाने में मदद करता है। अगर आप ज्यादा समय नहीं निकाल सकते, तो दिनभर में छोटे-छोटे समय में भी एक्टिव रहना फायदेमंद होता है, जैसे सीढ़ियां चढ़ना या पैदल चलना। वजन को संतुलित रखें दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। ज्यादा वजन या मोटापा कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सीधे प्रभावित करता है। जब शरीर में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है, तो यह एलडीएल को बढ़ाता है और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर भी बढ़ जाता है।

अमेठी पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह में चार चोर पकड़े

अमेठी/लखनऊ (संवाददाता)। अमेठी पुलिस को ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार सवार चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो तमंचे, सात जिंदा कारतूस और चोरी करने के उपकरण बरामद हुए हैं। यह घटना जायस थाना क्षेत्र की है। पुलिस को देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक वैगनआर कार में चार संदिग्ध युवक घूम रहे हैं और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। पुलिस टीम ने गंगाराम पुरवा रोड के किनारे एक बाग से चोरी की योजना बनाते हुए इन चारों शातिर चोरों को धर दबोचा। गिरफ्तार चोरों की पहचान अरबाज पुत्र सूबेदार गुजर (निवासी अरशदपुर), हर्षित अग्रवाल पुत्र राजेश कुमार अग्रवाल (निवासी सेखाना), अक्षय कुमार पुत्र कल्लू पासी (निवासी बक्शी) और शुभम सोनकर पुत्र राजकुमार सोनकर (निवासी कासिमपुर, थाना जायस) के रूप में हुई है। चोरों के पास से दो तमंचे, सात जिंदा कारतूस, एक सब्बल, रस्सी, टॉर्च, लोहे की आरी, पाना सहित भारी मात्रा में चोरी करने का सामान बरामद किया गया।

पाकिस्तान सुपर लीग में विवाद! रिजवान-शाहीन और शकील-लाबुशेन पर क्यों भड़के वॉर्नर? स्कूल का बच्चा बताया

कराची। पीएसएल 2026 की शुरूआत से पहले विवाद बढ़ते जा रहे हैं। कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में डेविड वॉर्नर अन्य खिलाड़ियों के व्यवहार पर भड़क गए। वहीं ईंधन संकट के चलते टूनामेंट सीमित वेन्यू और बिना दर्शकों के आयोजित किया जा रहा है, जिससे लीग की छवि प्रभावित हुई है। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 की शुरूआत से पहले ही विवादों में घिर गई है। पहले टूनामेंट को बंद दरवाजों के पीछे कराने का फैसला और अब कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुई घटना ने लीग की छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कराची किंग्स के कप्तान डेविड वॉर्नर उस समय नाराज हो गए, जब प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अन्य कप्तान आपस में हंसते-बात करते नजर आए। पीएसएल 2026 का आगाज गुरुवार यानी 26 मार्च से होगा, जबकि फाइनल मुकाबला तीन मई को खेला जाएगा। ढरछ पर संकट के बादलः वॉर्नर-स्मिथ समेत विदेशी खिलाड़ियों को मिली धमकी, कहा गया- पाकिस्तान मत आओ! अगर आए तो... क्या है पूरा मामला? जब वॉर्नर अपनी टीम की तैयारियों पर बोल रहे थे, तभी मार्नस लाबुशेन, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील आपस में बातचीत और हंसी-मजाक में लगे थे। इस पर वॉर्नर ने बीच में ही बोलना रोकते हुए

कहा, 'क्या हो रहा है जेंटलमेन? माफ कीजिए, यहां तो स्कूल के बच्चे बैठे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह असहज स्थिति मोहम्मद रिजवान से जुड़े एक अजीब क्षण के बाद पैदा हुई। बताया जा रहा है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अचानक हुई इस घटना से माहौल बदल गया। जहां यह पल रिजवान के लिए काफी असहज था, वहीं अन्य कप्तानों के लिए यह हंसी का कारण बन गया और वे अपनी हंसी नहीं रोक सके। देखते ही देखते इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसी दौरान जब बाकी खिलाड़ी हंसी-मजाक में लगे थे, तो डेविड वॉर्नर नाराज हो गए। आईपीएल पर भी बोले वॉर्नर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वॉर्नर ने कहा कि आईपीएल से रिटायर होने के बाद भी उन्होंने अपनी फिटनेस और मोटिवेशन को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की। 39 वर्षीय वॉर्नर ने पिछले साल पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल होने से पहले अपने आईपीएल करियर में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। 2016 में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल का खिताब भी जिताया था। वॉर्नर ने आईपीएल में खेले 184 मैचों में 6,565 रन बनाए। वह इस लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली, शिखर धवन और रोहित शर्मा के बाद चौथे नंबर पर मौजूद हैं। हालांकि आईपीएल के आखिरी दौर में उनका फॉर्म अच्छा नहीं रहा, जिसके कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा और उनकी कप्तानी भी चली गई। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन भी नहीं किया, हालांकि वॉर्नर ने हार नहीं मानी और अपनी फिटनेस पर लगातार काम करते रहे। 2009 से 2024 तक तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले वॉर्नर ने कहा कि आईपीएल छोड़ने के बाद भी उन्होंने अपना फिटनेस रूटीन बनाए रखा। वॉर्नर दूसरी बार पीएसएल में खेलेंगे यह दूसरा साल है, जब वॉर्नर पाकिस्तान सुपर लीग में खेलेंगे। उन्होंने पिछले साल 11 पीएसएल मुकाबलों में 368 रन बनाए थे, जिसके दम पर कराची किंग्स प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि प्लेऑफ में टीम को इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वॉर्नर को उम्मीद है कि इस बार टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि टीम में कई नए और युवा खिलाड़ी शामिल हुए हैं, जो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही उनके पुराने साथी एडम जैम्पा भी टीम में हैं, जिससे टीम को मजबूती मिलेगी। वार्नर ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सिडनी थंडर, सिडनी सिक्सर्स, सेंट लूसिया स्टार्स, विनीपेग हॉक्स, सिलहट सिक्सर्स, दुबई कैपिटल्स, सिएटल ऑर्कस और लंदन स्पिरिट का भी प्रतिनिधित्व किया है। 2020 की चैंपियन कराची किंग्स पीएसएल 2026 में अपना पहला मुकाबला क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ खेलेगी। टीम इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन कर खिताब जीतने की कोशिश करेगी। पहले से विवादों में घिरी है पीएसएल पीएसएल 2026 पहले ही कई समस्याओं से जूझ रही है। वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ईंधन संकट पैदा हो गया है, जिसके चलते टूनामेंट को बिना दर्शकों के कराने का फैसला लिया गया। इसके अलावा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की नीतियों को लेकर भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है, खासकर कर्मचारियों के फ्रेंचाइजी से जुड़ने को लेकर। टूनामेंट का फॉर्मेट भी बदला स्थिति को देखते हुए टूनामेंट के वेन्यू छह से घटाकर सिर्फ दो कर दिए गए हैं- लाहौर और कराची। ओपनिंग सेरेमनी भी रद्द कर दी गई है। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईंधन संकट के चलते लोगों को घरों में रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने सभी से मूवमेंट कम करने को कहा है। स्कूल बंद हैं, वर्क फ्रॉम होम लागू है और ईद की छुट्टियां बढ़ाई गई हैं। हमें नहीं पता यह स्थिति कब तक चलेगी।'

क्या खतरे में है ऋषभ पंत की कप्तानी? लखनऊ सुपरजाएंट्स के मालिक गोयनका ने किया स्पष्ट

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने जा रहा है, लेकिन इससे पहले लखनऊ सुपरजाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। अब टीम के मालिका संजीव गोयनका ने इस रिपोर्ट्स को पूरी तरह खारिज कर दिया है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कप्तान ऋषभ पंत को लेकर चल रही सभी अफवाहों को गलत बताया है। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि आईपीएल 2026 से पहले पंत को कप्तानी से हटाया जा सकता है, लेकिन गोयनका ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि ये सिर्फ 'फेक रिपोर्ट्स' हैं और टीम का पंत पर पूरा भरोसा है। गोयनका ने की पंत की तारीफ गोयनका ने पंत के स्वभाव और समर्पण की तारीफ करते हुए उन्हें आने वाले सीजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, ऋषभ पंत की कप्तानी के बारे में अटकलों को पढ़ा था और मुस्कुराया था। हमने उनके व्यक्तित्व और प्रतिबद्धता को जानने के लिए साथ में काफी समय बिताया है। आपका सीजन शानदार हो, कप्तान। दरअसल, आईपीएल 2025 में पंत का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। लखनऊ ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिसके चलते उनसे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, पंत बल्ले से बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए थे। वह 13 मैचों में सिर्फ 269 रन ही बना सके थे और उनके प्रदर्शन पर सवाल खड़े किए गए थे। यही कारण था कि ऐसी भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि लखनऊ टीम आईपीएल 2026 में पंत की जगह पर नया कप्तान चुन सकती है। पंत ने यूजर्स को दिखाया आइना आईपीएल 2025 के दौरान भी ऐसी ही एक खबर सामने आई थी, जब पंत ने स्थिति को संभाला था। एक 'एक्स' यूजर ने सुझाव दिया कि पंत को आईपीएल 2026 सीजन से पहले ड्रॉप किया जा सकता है क्योंकि लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिकों का मानना है कि वह उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके।

तो मैं अपनी दाढ़ी काट दूंगा', अर्जुन तेंदुलकर को लेकर अश्विन के किस बयान पर भड़के योगराज?

नई दिल्ली। अर्जुन तेंदुलकर को लेकर 2026 से पहले विवाद छिड़ गया है। अश्विन ने उनके खेलने पर सवाल उठाए, जिस पर योगराज सिंह भड़क गए और कड़ी प्रतिक्रिया दी। योगराज का मानना है कि अर्जुन को सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा और उनमें बड़ा खिलाड़ी बनने की क्षमता है। आईपीएल 2026 से पहले अर्जुन तेंदुलकर को लेकर बड़ी बहस छिड़ गई है। लखनऊ सुपर जाएंट्स में शामिल होने के बाद उनके खेलने की संभावनाओं पर सवाल उठे, जिस पर अब युवराज सिंह के पिता और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अश्विन ने जताया संदेह भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अर्जुन तेंदुलकर को लखनऊ सुपर जाएंट्स की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि टीम में पहले से ही मयंक यादव, मोहसिन खान, आवेश खान और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज मौजूद हैं, ऐसे में अर्जुन के लिए मौका बनाना कठिन होगा। अश्विन ने कहा, 'जब तक ज्यादा से ज्यादा गेंदबाज चोटिल नहीं होते, अर्जुन खेलते हुए नहीं दिख रहे हैं।' योगराज सिंह का पलटवार अश्विन के इस बयान पर पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह भड़क गए। योगराज ने इनसाइड स्पोर्ट्स से बात करते हुए अश्विन पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा, 'वह बेकार की बातें कर रहे हैं। यह अश्विन कौन होते हैं? किसी के बारे में क्या बोलना चाहिए, यह उन्हें समझना चाहिए। टीवी पर बैठकर कोई यह कहे कि वह यह नहीं कर सकता, वह नहीं कर सकता...अरे तुम होते कौन हो बोलने वाले?' अर्जुन की भूमिका पर अलग नजरिया योगराज सिंह, जो पहले अर्जुन को ट्रेनिंग दे चुके हैं, मानते हैं कि उन्हें गलत तरीके से एक गेंदबाज के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अर्जुन की बल्लेबाजी क्षमता काफी मजबूत है और अगर सही मार्गदर्शन मिले तो वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर बन सकते हैं।

कब, कहां और क्यों खास होगा वनडे विश्वकप? भारत की तैयारियों से रोहित-कोहली फैक्टर तक पूरी कहानी

नई दिल्ली। 2027 का वनडे विश्व कप अक्तूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जा सकता है, जिसमें 14 टीमें हिस्सा लेंगी। बीसीसीआई ज्यादा वनडे मैचों की तैयारी कर रहा है, जहां शुभमन गिल की कप्तानी में रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलते दिखेंगे। वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 अब धीरे-धीरे सुर्खियों में आ रहा है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक यह टूर्नामेंट अक्तूबर-नवंबर 2027 में खेला जा सकता है। इस बार मेजबानी की जिम्मेदारी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के पास होगी। खास बात यह है कि इस एडिशन में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 54 मैच खेले जाएंगे। लेकिन यह विश्व कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि कई कहानियों, रणनीतियों और बदलावों का संगम बनने वाला है, खासकर टीम इंडिया के लिए। भारत की तैयारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले टीम को ज्यादा से ज्यादा मैच प्रैक्टिस देने के मूड में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका जैसे बोर्ड ने भारत से मौजूदा द्विपक्षीय सीरीज में वनडे मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। इससे भारत को अच्छी तैयारी का मौका मिलेगा जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे। दोनों दिग्गज अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते हैं। कार्यक्रम भी होगा व्यस्त 2026 में टीम इंडिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। आईपीएल के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेली जाएगी। फिर इंग्लैंड दौरा होगा, जहां वनडे मैचों की संख्या बढ़ने की संभावना है। आयरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ भी मुकाबले बढ़ सकते हैं। श्रीलंका बोर्ड भी भारत के साथ टेस्ट सीरीज में लिमिटेड ओवर मैच जोड़ने की कोशिश कर रहा है। साफ है कि 2027 से पहले भारत लगातार 50 ओवर क्रिकेट पर फोकस करेगा। कप्तानी में बदलाव एक बड़ा बदलाव यह है कि अब टीम इंडिया की वनडे कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में है। यानी 2027 विश्व कप में भारतीय टीम नए नेतृत्व और अनुभवी खिलाड़ियों के कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकता है। कोहली-रोहित फैक्टर, आखिरी बड़ा मौका? रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के अहम पड़ाव पर हैं।

क्या 16000+ करोड़ की डील के बाद बदला जाएगा आरसीबी का नाम? अनन्या बिड़ला ने सवाल पर दी यह प्रतिक्रिया

बंगलूरू। 16000+ करोड़ की डील के बाद आरसीबी के नाम बदलने की चर्चा तेज हो गई थी। हालांकि अनन्या बिड़ला के संकेत से साफ है कि टीम का नाम नहीं बदलेगा। आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व में नया कंसोर्टियम अब क्धछ और हढछ दोनों टीमों का संचालन करेगा। आईपीएल में रिकॉर्ड डील के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लेकर एक बड़ा सवाल सामने आया- क्या टीम का नाम बदला जाएगा? आईपीएल इतिहास की सबसे महंगी फ्रेंचाइजी बनने के बाद फैंस के बीच

यह चर्चा तेज हो गई हैं। अब इस सवाल पर आरसीबी के चेयरमैन आर्यमान बिड़ला की बहन अनन्या बिड़ला की प्रतिक्रिया सामने आई है। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने खरीदी 100% हिस्सेदारी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने अपनी पूरी हिस्सेदारी एक कंसोर्टियम को बेच दी है, जिसकी अगुआई आदित्य बिड़ला ग्रुप कर रहा है। इस डील में ब्लैकस्टोन, बोल्ट वेंचर्स और टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप भी शामिल हैं।यह सौदा करीब 1.78 बिलियन डॉलर (लगभग ?16000+ करोड़) में हुआ, जो आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी डील बन गई है। क्या बदलेगा आरसीबी का नाम? डील के बाद सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या नए मालिक टीम का नाम बदलेंगे। इस पर अनन्या बिड़ला का इशारा साफ है। उन्होंने एक पोस्ट को री-शेयर किया, जिसमें बताया गया था कि आरसीबी का नाम नहीं बदला जाएगा। इससे यह लगभग तय माना जा रहा है कि टीम अपनी पुरानी पहचान के साथ ही आगे खेलेगी। 2008 से क्धछ का हिस्सा, 2025 में जीता पहला खिताब आरसीबी उन आठ टीमों में से एक है, जो 2008 में आईपीएल की शुरूआत से ही लीग का हिस्सा रही हैं। लंबे इंतजार के बाद टीम ने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता, जिससे इसकी ब्रांड वैल्यू और फैनबेस दोनों में जबरदस्त उछाल आया। महिला टीम भी शामिल डील में यह डील सिर्फ पुरुष टीम तक सीमित नहीं है। आरसीबी की महिला टीम, जो महिला प्रीमियर लीग में खेलती है, भी इस सौदे का हिस्सा है। यानी अब नया कंसोर्टियम आईपीएल और डब्ल्यूपीएल दोनों फ्रेंचाइजी का संचालन करेगा। क्यों खास है यह डील? यह सौदा सिर्फ एक टीम की बिक्री नहीं, बल्कि आईपीएल के बढ़ते आर्थिक प्रभाव का प्रतीक है। मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और ग्लोबल फैनबेस के चलते आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन चुकी है, और आरसीबी इसकी सबसे कीमती टीम बन गई है।

1770 करोड़ नेटवर्थ, ग्लैमर-खूबसूरती के साथ बिजनेस में भी धुरंधर; डील से चर्चा में

बंगलूरू। आरसीबी की 16,600 करोड़ रुपये डील के बाद अनन्या बिड़ला चर्चा में हैं। वह कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी और सफल उद्यमी, सिंगर और मेंटल हेल्थ एडवोकेट हैं। 17 साल की उम्र में बिजनेस शुरू करने से लेकर ग्लोबल म्यूजिक और समाजसेवा तक, उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। आईपीएल

2026 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी 16000+ करोड़ रुपये में बिक गई है। इस डील के बाद अनन्या बिड़ला अचानक चर्चा में आ गई हैं। वह देश के दिग्गज उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी और आरसीबी के नए चेयरमैन आर्यमान बिड़ला की बहन हैं। हालांकि, 31 साल अनन्या सिर्फ एक बिजनेस फैमिली की सदस्य नहीं, बल्कि अपनी अलग पहचान बनाने वाली युवा उद्यमी और गायिका हैं। क्यों चर्चा में आईं अनन्या बिड़ला? अनन्या का नाम तब चर्चा में आया जब वह सोमवार को गुजरात टाइटंस के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रेजेंटिंग पार्टनर के तौर पर पहुंचीं। बिड़ला स्टेट्स का नाम गुजरात की जर्सी पर फ्रंट में लिखा होगा। इस कार्यक्रम में वह शुभमन गिल के साथ सोफे पर बैठी नजर आईं थीं। इसके बाद लोगों ने मीम बनाना शुरू किया और अनन्या को गुजरात की मालकिन बताने लगे। हालांकि, अनन्या ने उस मीम को शेयर कर और फिर जवाब देकर मामला साफ किया। इसके बाद मंगलवार को आरसीबी को यूएसएल से आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 1.78 बिलियन यूएस डॉलर (भारतीय रुपये में करीब 16000+ करोड़) में खरीदा। यानी आरसीबी का स्वामित्व अब आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम, जिसमें द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन की परपेचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटेजी शामिल है, के पास चला गया है। ऐसा होते ही पहले तो आर्यमान और फिर अनन्या चर्चा में आईं। अनन्या ने आर्यमान को आरसीबी चेयरमैन बनने पर बधाई दी और फैंस का आभार जताया। अब जानते हैं कि अनन्या बिड़ला कौन हैं और उनके पास कितनी संपत्ति है... पढ़ाई और शुरूआती जीवन 1994 में मुंबई में जन्मीं अनन्या बिड़ला ने अपनी शुरूआती पढ़ाई अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से की। इसके बाद उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफॉर्ड से इकोनॉमिक्स और मैनेजमेंट में डिग्री हासिल की। कम उम्र से ही उनमें बिजनेस और क्रिएटिव फील्ड्स में रुचि दिखने लगी थी, जिसने उनके करियर की मजबूत नींव रखी। अनन्या की मां नीरजा बिड़ला ने भी हमेशा उनका साथ दिया। अनन्या अपनी बहन अद्वेतेशा से भी खूब प्यार करती हैं। 17 साल की उम्र में शुरू किया बिजनेस अनन्या ने महज 17 साल की उम्र में स्वतंत्र माइक्रोफिन की शुरूआत की। इस कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को छोटे लोन देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। आज यह कंपनी देश की प्रमुख माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं में गिनी जाती है। इसके अलावा उन्होंने इकाई असाई जैसे प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किए हैं। म्यूजिक इंडस्ट्री में भी बनाया नाम बिजनेस के साथ-साथ अनन्या ने इंटरनेशनल म्यूजिक इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाई। वह पहली भारतीय कलाकार बनीं जिनका अंग्रेजी गाना प्लेटिनम सर्टिफाइड हुआ। उनके गानों को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली, हालांकि बाद में उन्होंने म्यूजिक से थोड़ा दूरी बनाकर बिजनेस और निवेश पर फोकस किया। उनका गाना 'सर्कल्स' युवाओं के बीच सुपरहिट रहा। मेंटल हेल्थ के लिए पहल अनन्या बिड़ला ने अपनी जिंदगी में एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी समस्याओं का सामना किया है। इसी अनुभव से प्रेरित होकर उन्होंने एम-पावर की सह-स्थापना की। यह पहल भारत में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने पर काम करती है।रिपोर्ट्स के मुताबिक अनन्या बिड़ला की कुल संपत्ति 1000 करोड़ रुपये से 1770 करोड़ रुपये के बीच आंकी जाती है। मुंबई में उनका एक आलीशान घर है, जिसकी कीमत करीब 425 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा उनके पास कई लग्जरी कारें और ग्लोबल निवेश भी हैं। खास बात यह है कि उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उनके खुद के बिजनेस से आया है।

आरसीबी की ब्रांड वैल्यू 450 करोड़ से 16,500 करोड़ पहुंची: विजय माल्या खुश

बंगलूरू। आरसीबी की वैल्यूएशन 450 करोड़ रुपये से बढ़कर 16,500 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जिसके बाद विजय माल्या ने अपनी दीवानगी को सही साबित बताया। आदित्य बिड़ला ग्रुप की अगुआई में टीम खरीदी गई है। यह डील आईपीएल की बढ़ती आर्थिक ताकत और वैश्विक लोकप्रियता को दर्शाती है। आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इतिहास रच दिया। दोनों

ही टीमों के लिए ऐतिहासिक सौदा देखने को मिला। आरसीबी को 16000+ करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर खरीदा गया। इस फ्रेंचाइजी को भगोड़े विजय माल्या ने 2008 में 450 करोड़ रुपये में खरीदा था। तब से अब तक, इसके ब्रांड वैल्यू में लगभग 37 गुना की बढ़ोतरी हो चुकी है। इस डील के बाद पूर्व मालिक विजय माल्या ने अपने आलोचकों पर निशाना साधते हुए बड़ा बयान दिया है। आदित्य बिड़ला ग्रुप की अगुआई में हुआ सौदा आरसीबी को एक बड़े कंसोर्टियम ने खरीदा है, जिसकी अगुआई आदित्य बिड़ला ग्रुप कर रहा है। इस डील में द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन भी शामिल हैं। यह सौदा अभी बीसीसीआई और सीसीआई की मंजूरी के अधीन है। विजय माल्या ने कहा- मेरी दीवानगी रंग लाई आरसीबी की इस बड़ी डील के बाद विजय माल्या ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की और आलोचकों को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैं आरसीबी के नए मालिकों को दिल से बधाई देना चाहता हूं। उन्हें शुभकामनाएं देता हूं कि वे इस सबसे कीमती आईपीएल फ्रेंचाइजी को आगे ले जाएं। जब मैंने 2008 में 450 करोड़ रुपये में यह टीम खरीदी थी, तब ज्यादातर लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया और इसे मेरी दिखावा बताया था, लेकिन मेरी तथाकथित दीवानगी के पीछे रॉयल चैलेंज ब्रांड को खड़ा करने की सोच थी, इसलिए मैंने टीम का नाम आरसीबी रखा।' आगे उन्होंने कहा, 'यह देखकर बेहद सुकून पहुंचता है कि मेरा 450 करोड़ रुपये का निवेश बढ़कर 16,500 करोड़ रुपये हो गया। आरसीबी हमेशा मेरे डीएनए का हिस्सा रहेगी, इससे जुड़ी यादें हमेशा रहेंगी, खासकर उस समय की जब हमने युवा विराट कोहली को चुना था, जो आज दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। सभी आरसीबी फैंस का धन्यवाद, जिन्होंने हमेशा टीम का समर्थन किया। कृपया आगे भी आरसीबी यानी बंगलूरू के शेरों का साथ देते रहें। नमस्कार।' आईपीएल की बढ़ती ताकत और बाजार आरसीबी की यह डील सिर्फ एक टीम की बिक्री नहीं, बल्कि आईपीएल की बढ़ती ताकत का उदाहरण है। आईपीएल की कुल वैल्यूएशन अब लगभग 18.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है। इसके पीछे मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और ग्लोबल फैनबेस का बड़ा योगदान है। आरसीबी के साथ-साथ राजस्थान रॉयल्स की भी बड़ी डील हुई है, जिसे काल सोमानी के नेतृत्व में एक अमेरिकी कंसोर्टियम ने करीब 1.63 बिलियन डॉलर यानी 15000+ करोड़ रुपये में खरीदा। नई शुरूआत करने जा रही आरसीबी टीम आरसीबी पहले यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेज के पास थी, जो डियाजियो की सहायक कंपनी है। कंपनी ने इसे नॉन-कोर एसेट मानते हुए बेचने का फैसला किया। अब नए निवेशकों के साथ आरसीबी के लिए एक नई शुरूआत होने जा रही है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला के बेटे आर्यमान बिड़ला आरसीबी के नए अध्यक्ष बनाए गए हैं। आर्यमान खुद भी एक क्रिकेटर रह चुके हैं और आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार के साथ मध्य प्रदेश की टीम से घरेलू टूर्नामेंट खेल चुके हैं। आर्यमान आईपीएल में राजस्थान टीम का हिस्सा रहे, लेकिन वह इस लीग में एक भी मैच नहीं खेल पाए।

इस सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पहला मैच कब खेलेंगे पैट कमिंस?

हैदराबाद। कमिंस ने भरोसा जताया कि बतौर कप्तान ईशान किशन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। उन्होंने कहा कि ईशान ने पिछले साल घरेलू टूर्नामेंट में शानदार कप्तानी की थी। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद को टूर्नामेंट के पहले मुकबाले में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से भिड़ना है। पैट कमिंस इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि वह दूसरे हाफ और प्लेऑफ के सभी मुकाबलों में हिस्सा लेंगे। पैट कमिंस ने 'बिजनेस ऑफ स्पोर्ट्स' पॉडकास्ट के साथ बात करते हुए कहा कि वह अपनी पीठ की इंजरी से रिकवर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा हूं, लेकिन अब इंजरी पहले से बेहतर है। मैं नेट्स में गेंदबाजी कर रहा हूं। मैं अभी

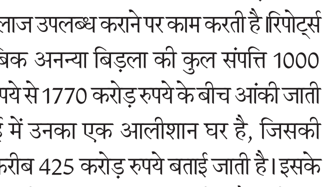

लगभग हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहा हूं। प्लान के मुताबिक, टूर्नामेंट के बीच तक मेरे पूरी तरह से फिट होने की उम्मीद है। अगर कुछ गलत नहीं हुआ, तो मैं दूसरे हाफ और फाइनल खेलूंगा।' कमिंस ने भरोसा जताया कि बतौर कप्तान ईशान किशन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। उन्होंने कहा कि ईशान ने पिछले साल घरेलू टूर्नामेंट में शानदार कप्तानी की थी। ईशान ने सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में झारखंड को अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाया था। बल्ले से भी ईशान की हालिया फॉर्म शानदार चल रही है। टी20 विश्व कप 2026 में ईशान ने निरंतरता के साथ रन बनाए थे। हालांकि, कमिंस की गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद का तेज गेंदबाजी अटैक काफी कमजोर दिख रहा है। ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट और शिवम मावी के ऊपर टीम की नैया को पार लगाने की जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही हैदराबाद का स्पिन विभाग भी काफी कमजोर दिखाई दे रहा है। पिछले सीजन टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। कमिंस की अगुवाई में हैदराबाद की टीम 14 में से सिर्फ छह मैच ही जीत सकी थी, जबकि आठ मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। सनराइजर्स हैदराबाद की सफलता एक बार फिर अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगी। पिछले सीजन यह तिकड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही थी, जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा था।

2047 तक विकसित राष्ट्र निर्माण हेतु जन-जन की भागीदारी जरूरीः शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। भदोही के जीआईसी ग्राउंड ज्ञानपुर में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को अगले दस वर्षों के लिए अपना आत्म लक्ष्य निर्धारित करने एवं उसे प्राप्त करने हेतु संकल्प दिलाया। अब समय पीछे मुड़कर देखने का नहीं बल्कि आगे बढ़कर बड़ी छलांग लगाने का है। 2047 तक देश और प्रदेश को विकसित बनाने के लिए गांव, तहसील, ब्लॉक और प्रत्येक नागरिक को मिलकर प्रयास करना होगा। अभिनव पहल को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने मुक्त कंठ से सराहा और आत्म लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प लिया। श्री शर्मा ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है और इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। जब हर व्यक्ति अपने लक्ष्य को लेकर संकल्पित होगा, तभी प्रदेश और देश तेजी से प्रगति करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व विकास किया है।

फिर से मां बनने वाली हैं दिशा परमार? पत्नी की प्रेग्नेंसी की अटकलों पर राहुल वैद्य ने लगाया विराम

सिंगर राहुल वैद्य और एक्ट्रेस दिशा परमार को लेकर हाल ही में सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि यह कपल दूसरी बार माता-पिता बनने वाला है। इन खबरों ने फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी, लेकिन अब खुद राहुल और दिशा ने इन सभी अटकलों पर साफ तौर पर विराम लगा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल वैद्य ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने साफ कहा कि फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं है और यह सिर्फ अफवाहें हैं। राहुल के अनुसार, हम अपने पहले बच्चे में व्यस्त हैं और उसकी तुलना किसी और चीज से नहीं की जा सकती। मैं इसके लिए जितना भी उत्सुक क्यों न होऊं, अभी ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। फिलहाल दोनों अपनी फैमिली लाइफ को एंजॉय कर रहे हैं और अपनी बेटी नव्या की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। राहुल वैद्य और दिशा परमार ने 16 जुलाई 2021 को शादी की थी। शादी के दो साल बाद, 2023 में दोनों ने अपनी बेटी नव्या का स्वागत किया। तब से ही यह जोड़ी अपने पैरेंटहुड को खुलकर एंजॉय कर रही है। राहुल वैद्य ने अपने करियर की शुरूआत इंडियन आइडल 1 से की थी, जहां वह दूसरे रनर-अप रहे।

पैन-इंडिया लेवल पर रिलीज होगी नागबंधम, फैंस हुए एक्साइटेड

अभिषेक नामा के निर्देशन में बनी फिल्म नागबंधम 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है, जिसमें विराट कर्ण, नाभा नतेश, जगपति बाबू और ऋषभ साहनी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जब से फिल्म नागबंधम का ऐलान हुआ है, यह 2026 की सबसे चर्चित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक बन गई है। पौराणिक कथाओं और ड्रामे के अनोखे मेल वाली इस फिल्म में विराट कर्ण, नाभा नतेश, जगपति बाबू और ऋषभ साहनी अहम भूमिकाओं

में हैं। दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। घ्इस बढ़ते क्रेज को देखते हुए, टीम ने अब फिल्म की रिलीज डेट फाइनल कर ली है। नागबंधम 3 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो एक शानदार विजुअल और बेहतरीन सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। मेकर्स लगातार फिल्म के दिलचस्प कैरेक्टर पोस्टर्स और अपडेट्स जारी करके दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म का टीजर भी रिलीज किया है, जो एक रहस्यमयी और जादुई दुनिया की शानदार झलक दिखाता है, जिसे बड़े पर्दे पर उतारने का वादा किया गया है। भव्य पौराणिक तत्वों, बेहतरीन टथ्य, दमदार बैकग्राउंड स्कोर और किरदारों के असरदार पलों के मेल के साथ, यह टीजर सिनेमा प्रेमियों के लिए एक शानदार और भव्य विजुअल ट्रीट होने का वादा करता है। यह फिल्म भारत की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ी हुई है और हमारे देश के गौरवशाली अतीत और स्वर्ण युग से प्रेरित एक कहानी पर आधारित है। इसके अलावा, यह पौराणिक कथाओं के उन अनछुए पहलुओं को सामने लाती है, जो भारतीय सिनेमा में बहुत कम देखने को मिलते हैं, जिससे दर्शकों को एक अनोखा और दिलचस्प अनुभव मिलने वाला है। नागबंधम की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायरेक्शन की कमान अभिषेक नामा ने संभाली है। किशोर अन्नपुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को पूरे भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

शूटिंग के दौरान घायल हुए राम चरण, खबर पर निहारिका का शॉक्ड रिएक्शन हुआ वायरल; कहा- ऐसे कोई बताता है क्या

एक्टर रामचरण हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म पेद्दी की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। इस हादसे पर उनकी चचेरी बहन निहारिका कोनिडेला का रिएक्शन अब चर्चा का विषय बन गया है। साउथ स्टार राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पेद्दी को लेकर चचाओं में हैं। वे फिलहाल इसकी शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन इस बीच वे चोटिल हो गए। हाल ही में जब उनकी चचेरी बहन निहारिका कोनिडेला से इस घटना के बारे में पूछा गया, तो जो

उनका रिएक्शन आया वो फिलहाल सुर्खियां बटोर रहा है। ऐसे कोई बताता है क्या सर? दरअसल, राम चरण अपनी फिल्म पेद्दी की शूटिंग के दौरान एक एक्शन सीन करते हुए घायल हो गए थे। इस दौरान निहारिका अपनी आने वाली फिल्म के प्रमोशन में बिजी थीं। प्रेस से बातचीत के दौरान एक रिपोर्टर ने अचानक उनसे राम चरण की चोट के बारे में सवाल पूछ लिया। यह सुनते ही निहारिका चौंक गईं और कुछ पल के लिए समझ ही नहीं पाईं कि क्या हुआ है। उन्होंने हैरानी में कहा, ऐसे कोई बताता है क्या सर? उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी, क्योंकि उन्होंने अपना फोन भी चेक नहीं किया था। इसके बाद निहारिका काफी परेशान नजर आईं और उन्होंने बातचीत को जल्दी खत्म कर दिया। राम चरण को क्या हुआ था? बता दें कि राम चरण बीते मंगलवार एक एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थे और उन्हें इस दौरान चोट लग गई। उन्हें चार टांके लगवाने पड़े। उनकी आंख के ऊपर चोट लगी। हालांकि कुछ देर बाद वह काम पर भी लौट आए हैं, क्योंकि यह मामूली चोट थी और चिंता की कोई बात नहीं थी। राम चरण ने इस इंजरी के बाद भी शूटिंग से कोई ब्रेक नहीं लिया है।

संजय दत्त की आखरी सवाल की रिलीज डेट फाइनल

नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले निखिल नंदा, धनराज नथवानी और संजय दत्त द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म आखरी सवाल में संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे सितारों की एक शानदार फौज नजर आएगी! संजय दत्त की फिल्म आखरी सवाल की सिर्फ पहली झलक ही सामने आई थी कि उसने खलबली मचा दी, जिसमें आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया गया है। बढ़ती उत्सुकता के बीच, अब एक नया असरदार पोस्टर जारी किया गया है, जो अपने शानदार विजुअल्स के साथ बहुत कुछ कह रहा है और रिलीज की तारीख 15 मई 2026 का भी खुलासा कर रहा है। आखरी सवाल का यह पोस्टर वास्तव में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है जिसे फिल्म में दिखाया गया है। एक बड़े क्वेश्चन मार्क के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती हैरू वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है। पोस्टर पर रिलीज की तारीख भी साफ तौर पर 15 मई 2026 दिखाई गई है। इसके अलावा, आखरी सवाल दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 साल की यात्रा की सच्ची कहानी लेकर आने वाली है, जिसकी स्थापना 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया, यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं। भारत के युवाओं के मन में इस संगठन को लेकर कई सवाल और गहरी उत्सुकता है, जो ज्यादातर लोगों के लिए एक रहस्य जैसा रहा है, क्योंकि यह संगठन खुद का प्रचार करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने में विश्वास नहीं रखता। इस फिल्म में संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू

चंद्रा जैसे सितारों की एक बेहतरीन कास्ट शामिल है। इतने अनुभवी और टैलेंटेड कलाकारों के साथ, यह फिल्म दर्शकों पर एक गहरा प्रभाव छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। घ्अभिजीत मोहन वारंग, जिन्होंने 2021 में मराठी ड्रामा पिकासो के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत की थी, उन्हें 67वें नेशनल फिल्म अवाड्र्स में स्पेशल मेंशन मिला था। उन्होंने लगातार मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में शानदार फिल्में दी हैं। उनके कुछ कामों में डेजा वू, प्रेम प्रथा धूमशान, पिकोलो और शॉर्ट फिल्म वर्चुअल रियलिटी शामिल हैं। नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के मेकर्स हॉटस्टार और अन्य प्लेटफार्मों के लिए कई प्रोजेक्ट्स पहले ही पूरे कर चुके हैं।

सोची-समझी साजिश..धुरंधर 2 पर सिख संगठन की नाराजगी पर आदित्य धर ने दी सफाई, कहा- असली फुटेज को एडिट किया..

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2 को एक तरफ जहां दर्शकों को बेशुमार प्यार मिल रहा है। वहीं दूसरी तरफ, सिख समुदाय में इसके कुछ सीन्स को लेकर नाराजगी है। मुंबई के एक सिख संगठन ने फिल्म पर उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, फिल्म पर विवाद खड़ा करने के बीच अब हाल ही में निर्देशक आदित्य धर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और एक लंबा पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आदित्य धर ने हाल ही

में इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इन फर्जी तस्वीरों और वीडियो को भ्रामक करार दिया। उनका कहना है कि कुछ लोग फिल्म के ऑफिशियल प्रमोशनल मैटेरियल के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं और एआई की मदद से उसे बदलकर गलत मैसेज फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।ह्व आदित्य धर ने अपने पोस्ट में लिखा- ह्लफिल्म को देश और विदेश में दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और इसके लिए मैं आभारी हूं, लेकिन कुछ लोग इस सकारात्मक माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। असली फुटेज और तस्वीरों को एडिट कर ऐसा कंटेंट बनाया जा रहा है, जो फिल्म की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही एक तस्वीर में रणवीर सिंह के किरदार हमजा यानी जसकीरत को पगड़ी पहने स्मोकिंग करते हुए दिखाया गया है। इस तस्वीर को लेकर आदित्य धर ने अपने पोस्ट में कहा कि यह तस्वीर पूरी तरह फर्जी है और फिल्म किसी आधिकारिक प्रमोशनल मैटेरियल का हिस्सा नहीं है। आदित्य धर ने कहा, ह्लइस तरह के फेक कंटेंट जानबूझकर तैयार किए जा रहे है। यह एक सोची-समझी साजिश है, जिसका मकसद लोगों को भड़काना और गलतफहमियां पैदा करना है। इस तरह की हरकतें न सिर्फ फिल्म को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज में भी नकारात्मक माहौल बनाती हैं।धुरंधर 2 को लेकर फर्जी कंटेंट बनाने वालों के खिलाफ एक्शन की बात करते हुए आदित्य धर ने कहा, फिल्म में हर किरदार और हर सीन को बहुत ही संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ पेश किया गया है। जो भी इस तरह की गलत तस्वीरें फैला रहे हैं, वे सच्चाई से दूर हैं। मैं दर्शकों से अपील करता हूं कि वे सिर्फ ऑफिशियल सोर्स पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर फैल रहे किसी भी संदिग्ध कंटेंट से बचें। एआई के जरिए बनाए गए ऐसे फेक विजुअल्स का उद्देश्य लोगों को गुमराह करना है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। आदित्य धर ने चेतावनी भी दी कि इस तरह के फर्जी कंटेंट बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

रणवीर अल्लाहबादिया के पोस्ट पर कुणाल कामरा के कमेंट से मचा बवाल, लिखा- अच्छा इंसान बनने का दिखावा बंद करो

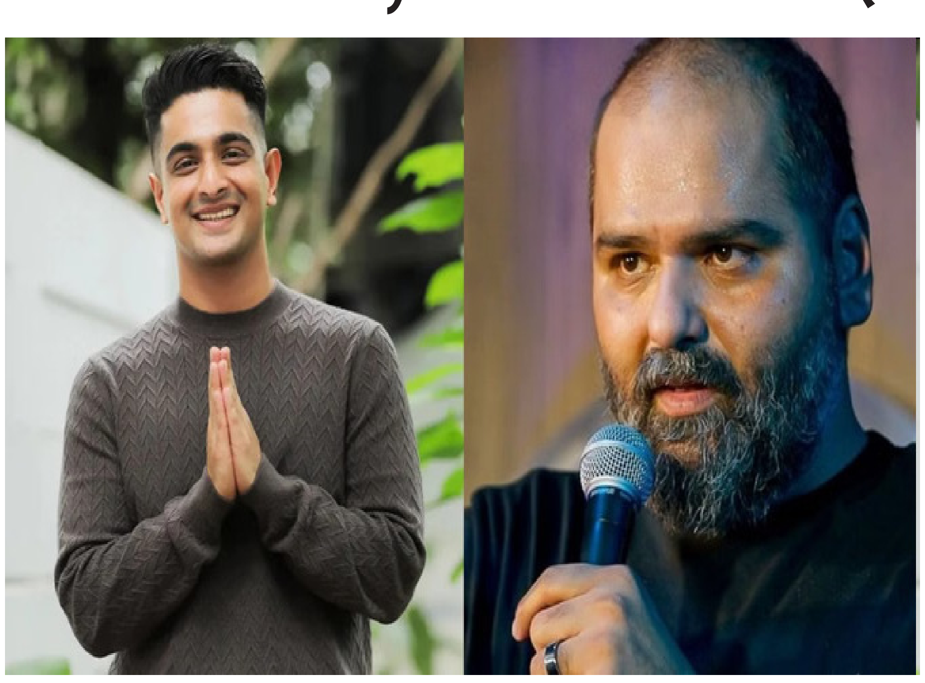

रणवीर अल्लाहबादिया ने हाल ही में इंडियाज गॉट लेटेंट में हुए विवाद को लेकर एक पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट पर कॉमेडियन कुणाल कामरा के कमेंट ने सोशल मीडिया पर धमाका मचा दिया है। यूट्यूबर और पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया ने 25 मार्च को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसके बाद कई लोगों ने उनकी पोस्ट को लेकर अपनी राय रखी, लेकिन कॉमेडियन कुणाल ने कुछ ऐसा कमेंट किया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। रणवीर अल्लाहबादिया का पोस्ट रणवीर ने पोस्ट में लिखा, मुझे और मेरी टीम को 'बीयर बाइसेप्स' और 'द रणवीर शो' को यहां तक पहुंचाने में 10 साल लगे। लेकिन एक ही घटना ने सब कुछ हिला कर रख दिया। जब टीम मुझसे आगे क्या करना है पूछ रही थी, तब मुझे संत कबीर का एक दोहा याद आया- धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय, माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय। तो एक सिंपल रिमाइंडर है कि विकास होने में और वापस से चीजों को खड़ा करने में समय लगता है। इस पर कुणाल कामरा ने कमेंट किया, लेटेंट में होने की वजह से मुझे मिलाकर 30+ कलाकारों को अधिकारियों के सामने बुलाया गया। पूरी कॉमेडी इंडस्ट्री को इसका नुकसान झेलना पड़ा। शो कैंसल हुए, वेन्यू पीछे हट गए, लोगों ने बिना समझे जजमेंट पास कर दिए। और आज भी आपकी एक गलती की वजह से कॉमेडियंस की जिंदगी मुश्किल बनी हुई है। सबसे दुख की बात ये है कि आपने कभी इस पहलू को समझने की कोशिश ही नहीं की। प्लीज अच्छा इंसान बनने का दिखावा बंद करो। जो मिला है, उसे लेकर थोड़ा शांत रहो और अपनी गलती मानो। क्रिएटिविटी को रोकने का काम मत करो। इसे और खींचने के बजाय, वही करो जो आप करते आए हो, क्योंकि अभी जो हो रहा है, वो सिर्फ आगे बढ़ने की कोशिशों में रुकावट बन रहा है। बता दें कि 2025 में रणवीर अल्लाहबादिया इंडियाज गॉट लेटेंट के एक एपिसोड के बाद बड़े विवाद में घिर गए थे। उस एपिसोड में उन्होंने एक कंटेस्टेंट से पूछा था, क्या आप पूरी जिंदगी अपने माता-पिता को रोज संबंध बनाते हुए देखना पसंद करेंगे, या एक बार खुद उसमें शामिल होकर इसे हमेशा के लिए खत्म करना चाहेंगे? इसके बाद सोशल मीडिया पर इसका भारी विरोध हुआ। इसके बाद रणवीर और शो के मेकर्स के खिलाफ कई एफआईआर भी दर्ज हुईं।

फर्जी वेबसाइट के जरिये यूपी बोर्ड की जाली सर्टिफिकेट तैयार करने वाले गिरोह का पदार्फाश, दो गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने यूपी बोर्ड की फर्जी वेबसाइट के जरिये मार्कशीट्स, सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन एवं ट्रांसफर सर्टिफिकेट तथा वेरीफिकेशन प्रपत्र तैयार करने वाले गिरोह के 2 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए सदस्यों के पास से एसटीएफ ने फर्जी मुहर सहित इस्तेमाल में आने वाले उपकरण व अन्य जाली दस्तावेज बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए सदस्यों की पहचान शशि प्रकाश राय उर्फ राजन शर्मा उर्फ शनि पुत्र हरिशंकर राय, निवासी ग्राम व पोस्ट सुहौली, मनीष कुमार राय पुत्र महेन्द्र राय निवासी ठेकमा, बरदह, आजमगढ़ के तौर पर हुई है। एसटीएफ के मुताबिक माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट से मिलती-जुलती बेवसाइट बनाकर गिरोह के सदस्यों को ठगते थे। इस बावत परिषद की तरफ से प्रयागराज में मुकदमा दर्ज कराकर एसटीएफ से जांच कराने की मांग की गई थी। इसी क्रम में उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक नितिन यादव की टीम अभिसूचना संकलन के क्रम में जनपद आजमगढ़ में भ्रमणशील थी। इस दौरान विश्वनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि विभिन्न प्रकार के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह का सरगना शशि प्रकाश राय है जो अपने घर पर मौजूद है। इस सूचना पर एसटीएफ टीम द्वारा उपरोक्त दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त शशि प्रकाश राय ने पूछताछ पर बताया कि वह दिल्ली से ठ.ब किया है। इसका एक गिरोह है, जो विभिन्न प्रकार के फर्जी ध कूटरचित दस्तावेज तैयार करता है। इसके पहले यह आगरा में भी काम कर चुका है।

श्रीलंकाई नौसेना ने सात भारतीय मछुआरों को पकड़ा

नावें भी जब्त कीं; तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन

चेन्नई (एजेंसी)। श्रीलंका की नौसेना ने रामेश्वरम के सात मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी दो नावें जब्त कर ली हैं। इस घटना के विरोध में मछुआरों ने जमकर प्रदर्शन किया। मछुआरा संगठनों ने केंद्र सरकार से दखल देने और इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। पाक जलडमरूमध्य में श्रीलंका की नौसेना ने गुरुवार तड़के रामेश्वरम के सात मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। इन मछुआरों पर अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। नौसेना ने इस कार्रवाई में मछली पकड़ने वाली दो मशीनी नावें (ट्रॉलर) भी अपने कब्जे में ले ली हैं। अधिकारी ने दी जानकारी मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार (25 मार्च) को रामेश्वरम मछली लैंडिंग केंद्र से कुल 365 टोकन जारी हुए थे। गिरफ्तार मछुआरे दो नावों पर सवार थे। जब वे नेदुनथीवू द्वीप के पास काम कर रहे थे, तभी श्रीलंकाई अधिकारियों ने उन्हें रोक लिया। ये नावें सिमसन और शशिकुमार की बताई जा रही हैं। समुद्र में शुरूआती पूछताछ के बाद, नौसेना ने मछुआरों को हिरासत में ले लिया। उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंका के एक नौसैनिक बंदरगाह पर ले जाया गया है। मछुआरों ने किया विरोध प्रदर्शन गिरफ्तारी की खबर मिलते ही रामनाथपुरम जिले के थंगाचीमदम में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। गुस्साए मछुआरे कार्ल मार्क्स की प्रतिमा के पास इकट्ठा हुए और प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने श्रीलंका सरकार के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नावों को तुरंत छोड़ने की मांग की। मछुआरा संगठनों ने केंद्र सरकार से मांगी मदद मछुआरा संगठनों ने केंद्र सरकार से इस मामले में कड़ा रुख अपनाने की अपील की है। उनका कहना है कि बार-बार होने वाली इन गिरफ्तारियों से उनकी रोजी-रोटी पर बुरा असर पड़ रहा है। इस मुद्दे पर आगे की रणनीति तय करने के लिए शाम 4 बजे मछुआरा प्रतिनिधियों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई गई है। क्या बोले लोग? मछुआरा नेता जेसु राजा ने कहा कि उनका समुदाय पिछले चार दशकों से ऐसी मुश्किलों का सामना कर रहा है। मछली पकड़ना ही उनकी आय का एकमात्र जरिया है। लगभग 90 प्रतिशत परिवार इसी पर निर्भर हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकारों ने स्थायी समाधान नहीं निकाला, तो उनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने पाक जलडमरूमध्य में अपने पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकारों को सुरक्षित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा मछुआरे ऐतिहासिक रूप से इन जलक्षेत्रों में ही मछली पकड़ते आए हैं। एक अन्य मछुआरे एंटनी ने सवाल उठाया कि भारत और श्रीलंका के बीच दोस्ती होने के बावजूद ऐसी गिरफ्तारियां क्यों हो रही हैं। नावों को जब्त करने और भारी जुमार्ना लगाने से कई परिवार कर्ज में डूब गए हैं।

ओसाका में फूड पॉइजनिंग से 600 से अधिक छात्र और स्टाफ बीमार, स्कूल के लंच में मिली ब्रेड बनी वजह

टोक्यो (एजेंसी)। जापान के ओसाका में फूड पॉइजनिंग की वजह से 600 से ज्यादा छात्र और स्टाफ बीमार हो गए हैं। जांच में स्कूल की ब्रेड में नोरोवायरस मिला है। प्रशासन ने संबंधित कंपनी पर पांच दिनों की रोक लगा दी है और मामले की जांच जारी है। जापान के ओसाका प्रांत में फूड पॉइजनिंग का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां के कुमातोरी टाउन के कई स्कूलों में 600 से ज्यादा छात्र और स्टाफ सदस्य बीमार पड़ गए हैं। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी दी। शहर के आठ प्राथमिक और जूनियर हाई स्कूलों में पिछले गुरुवार से दस्त और

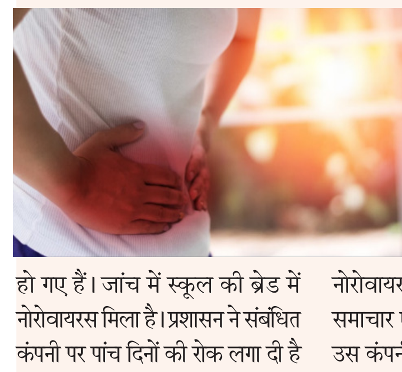

उल्टी जैसे लक्षण लगातार सामने आ रहे हैं। मंगलवार तक प्रभावित लोगों की कुल संख्या 633 पहुंच गई है। खाने में दी गई ब्रेड से फैली बिमारी स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ने कुछ बीमार छात्रों की जांच की, जिसमें नोरोवायरस की पुष्टि हुई है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी मुताबिक यह वायरस उस कंपनी के कर्मचारियों में भी मिला है जो शहर के सभी स्कूलों में लंच के लिए ब्रेड की सप्लाई करती थी। इन नतीजों के आधार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र ने यह निष्कर्ष निकाला है कि स्कूल के खाने में दी गई ब्रेड ही इस बीमारी की मुख्य वजह है। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए संबंधित निमार्ता कंपनी के कामकाज पर पांच दिनों की रोक लगा दी है। क्या होता है फूड पॉइजनिंग? फूड पॉइजनिंग एक तरह की बीमारी है जो दूषित खाना खाने या पानी पीने से होती है। इसका मुख्य कारण भोजन में मौजूद कीटाणु, हानिकारक बैक्टीरिया या अन्य दूषित तत्व होते हैं। इसके लक्षणों में पेट खराब होना, दस्त और उल्टी शामिल हैं। ये लक्षण अक्सर खाना खाने के कुछ घंटों या दिनों के भीतर शुरू हो सकते हैं। फूड पॉइजनिंग के लक्षण ज्यादातर मामलों में फूड पॉइजनिंग के लक्षण हल्के होते हैं और लोग बिना किसी विशेष इलाज के ठीक हो जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी यह गंभीर बीमारी या अन्य शारीरिक समस्याओं का कारण भी बन सकता है। इसके सामान्य लक्षणों में पेट दर्द, मरोड़ और बुखार भी शामिल हैं।

ईरान को अमेरिका की चेतावनी– हार नहीं मानी तो होगा और भीषण हमला

युद्धविराम पर तनातनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब और गहरा होता जा रहा है। जहां एक ओर युद्धविराम को लेकर बातचीत जारी है, वहीं दूसरी ओर दोनों देशों के बीच बयानबाजी और सैन्य दबाव तेज हो गया है। व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि वार्ता अभी डेड एंड पर नहीं पहुंची है, लेकिन हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई को और तेज कर सकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तेहरान अपनी सैन्य हार को स्वीकार नहीं करता है, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले से भी अधिक कड़ा

कदम उठाने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान में संभावित बैठक पर बयान लेविट ने कहा कि पाकिस्तान में ईरान से वार्ता को लेकर कई अटकलें हैं, लेकिन व्हाइट हाउस द्वारा आधिकारिक घोषणा के बिना किसी को भी इसे मान्य नहीं समझना चाहिए। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप धमकी नहीं देते, बल्कि कार्रवाई करते हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि पिछली गलत गणना ने उनकी वरिष्ठ नेतृत्व टीम, नौसेना, वायुसेना और एयर डिफेंस सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ तीन दिनों तक उपजाऊ बातचीत की, जिसके कारण कुछ हमलों को अस्थायी रूप से स्थगित किया गया। ईरान के लिए यह एक और अवसर है कि वे अपने परमाणु कार्यक्रम को स्थायी रूप से छोड़ें और अमेरिका व उसके सहयोगियों को खतरा न बनें। होर्मुज जलडमरूमध्य पर फोकस अमेरिका ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी सैन्य रणनीति का एक प्रमुख लक्ष्य होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना है। यह क्षेत्र वैश्विक तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से तेल टैंकरों के गुजरने का निर्णय केवल राष्ट्रपति ट्रंप ही कर सकते हैं। फिलहाल इस बारे में कोई निश्चित समयसीमा नहीं है, लेकिन प्रशासन इस पर तेजी से काम कर रहा है। लेविट ने यह भी कहा कि ट्रंप ने यह दिखाया है कि वे मुक्त दुनिया के नेता और सबसे शक्तिशाली सेना के प्रमुख हैं। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों में यह साबित किया कि अमेरिका के सहयोगी उनके नेतृत्व में फैसलों का समर्थन करते हैं, जो अमेरिका और वैश्विक हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ट्रंप-शी जिनपिंग शिखर वार्ता तय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने जानकारी दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच लंबे समय से प्रस्तावित बैठक अब 14 और 15 मई को बीजिंग में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह बैठक दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष का निष्कर्ष चर्चा का पूर्व शर्त नहीं था। केवल बैठक की तारीख को पुनर्निर्धारित किया गया। साथ ही, आगे चलकर राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन की मेजबानी वॉशिंगटन डीसी में भी करेंगे। इस पारस्परिक दौरे की तारीखों की घोषणा फिलहाल बाद में की जाएगी। यह पहल दोनों वैश्विक शक्तियों के बीच कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

ढाका लौट रही बस पद्मा नदी में समाई; ईद से लौट रहे 23 लोगों की मौत, कई लोग अब भी लापता; तलाश जारी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले में एक बस के नदी में गिरने के कारण हुए हादसे में 23 लोगों की मौत हो गई। वहीं इस घटना में कई लोगों की तलाश की जा रही है, क्योंकि घटना के वक्त बस में 40 यात्री सवार थे। वहीं, पीएम तारिक रहमान ने इस घटना के जांच के आदेश दिए हैं। बांग्लादेश में एक यात्री बस के नदी में गिरने के बाद अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। यह हादसा बुधवार शाम करीब 5:15 बजे राजबाड़ी जिले के दौलतदिया टर्मिनल पर हुआ, जब बस नाव पर चढ़ने की कोशिश कर

रही थी। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से बस सीधे पद्मा नदी में जा गिरी। घटना के वक्त बस में 40 यात्री सवार थे मिली जानकारी के अनुसार, बस में करीब 40 यात्री सवार थे, जिनमें कई बच्चे भी शामिल थे। ये सभी लोग ईद की छुट्टियां मनाकर ढाका लौट रहे थे। हादसे के बाद तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। काफी मुश्किल हालात और खराब मौसम के बीच करीब छह घंटे की मेहनत के बाद क्रेन की मदद से बस को नदी से बाहर निकाला गया। 14 शव बस से बरामद, दो शवों को गोताखोरों ने निकाला जब बस को बाहर निकाला गया तो उसके अंदर से 14 शव मिले, जबकि उससे पहले गोताखोरों ने दो महिलाओं के शव बरामद किए थे। इस तरह कुल 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अभी भी कई लोग लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। सेना, पुलिस, फायर सर्विस और कोस्ट गार्ड की टीम मिलकर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

पाकिस्तान-अफगान सीमा पर फिर भड़की हिंसा; युद्धविराम खत्म होते ही गोलीबारी, दो नागरिकों की मौत

काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक बार फिर सीमा पर तनाव भड़क उठा है। ईद के दौरान लागू अस्थायी युद्धविराम खत्म होते ही दोनों देशों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें दो निर्दोष नागरिकों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अस्थायी

युद्धविराम खत्म होते ही सीमा पर एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। बुधवार को हुई इस गोलीबारी में कम से कम दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अफगान अधिकारियों के अनुसार, यह संघर्ष कुनार प्रांत के नाराई और सरकानो जिलों में हुआ, जहां पाकिस्तान की ओर से भारी गोलाबारी की गई। सूचना विभाग के अधिकारी जियाउर रहमान स्पींघर ने बताया कि दर्जनों तोप के गोले दागे गए, जिससे नागरिकों को भारी नुकसान हुआ। दोनों तरफ से जवाबी कार्रवाई अफगान सीमा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के तीन सैन्य चौकियों को नष्ट करने और एक व्यक्ति के मारे जाने का दावा किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, पाकिस्तान की ओर से आरोप लगाया गया कि गोलीबारी की शुरूआत अफगान बलों ने की। ईद के बाद टूटा युद्धविराम दोनों देशों के बीच यह अस्थायी युद्धविराम ईद-उल-फितर से पहले लागू किया गया था। इससे पहले सऊदी अरब, तुर्की और कतर के अनुरोध पर दोनों पक्षों ने संघर्ष रोकने पर सहमति जताई थी। यह समझौता पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए हवाई हमलों के बाद हुआ था।

ईरान युद्ध की फर्जी तस्वीरें दिखाकर ठगी कर रहे जालसाज, आईबी ने किया अलर्ट; J&K सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने ईरान युद्ध के नाम पर चल रहे फर्जी चंदा घोटाले को लेकर देश को चेतावनी दी है। दरअसल ठग भावनात्मक तस्वीरों और कहानियों के जरिए लोगों से पैसे और सोना जुटा रहे हैं। इस पैसे का इस्तेमाल अलगाववाद को बढ़ावा देने में होने की आशंका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की चेतावनी के बाद अब इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने एक बड़े फर्जीवाड़े को लेकर देश को सावधान किया है। कुछ शरारती तत्व ईरान में चल रहे युद्ध का फायदा उठाकर लोगों की भावनाओं से खेल रहे हैं। ये लोग युद्ध पीड़ितों की मदद के नाम पर अवैध रूप से चंदा इकट्ठा कर रहे हैं। क्या बोले अधिकारी? एक अधिकारी ने बताया कि देश में कई ऐसे समूह सक्रिय हो गए हैं जो ईरान युद्ध के नाम पर पैसा मांग रहे हैं। ये तत्व लोगों को भरोसा दिलाते हैं कि यह पैसा ईरान के प्रभावित लोगों के कल्याण के लिए है। पिछले साल इस्त्रायल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध शुरू होने पर भी ऐसी ही गतिविधियां देखने को मिली थीं। ऐसी फर्जी संस्थाएं युद्ध के समय अचानक सामने आती हैं और भारी मात्रा में फंड जमा करके गायब हो जाती हैं। आईबी के अधिकारी के अनुसार, ये ठग लोगों को भावुक करने के लिए युद्ध की डरावनी तस्वीरें दिखाते हैं। इनमें से ज्यादातर तस्वीरों के साथ डिजिटल

तरीके से छेड़छाड़ की गई होती है। लोग इन तस्वीरों को देखकर भावुक हो जाते हैं और न केवल नकद पैसा, बल्कि सोना तक दान कर देते हैं। जम्मू-कश्मीर सबसे ज्यादा प्रभावित जांच एजेंसियों ने पाया है कि इस घोटाले का सबसे ज्यादा असर जम्मू-कश्मीर में है। वहां कुछ लोग घर-घर जाकर चंदा मांग रहे हैं। वे लोगों को झूठी कहानियां सुनाते हैं और स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। वे लोगों की धार्मिक और भावनात्मक संवेदनशीलता का फायदा उठाकर उन्हें ठग रहे हैं। कश्मीर के अधिकारियों को पता चला है कि यह वही पुराना नेटवर्क है जो अनुच्छेद 370 हटने से पहले अलगाववादी समूहों के लिए पैसा जुटाता था। अब तक करोड़ों रुपये वसूले ईरान युद्ध के नाम पर अब तक करोड़ों रुपये वसूले जा चुके हैं। अकेले जम्मू-कश्मीर में यह घोटाला करीब 16 करोड़ रुपये का है। अधिकारियों ने पाया कि कई लोगों ने अपनी पूरी जमा-पूंजी इन ठगों को दे दी है। कुछ मामलों में तो लोगों ने अपने सोने के गहने और तांबे के बर्तन तक दान कर दिए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इन ठगों का मुख्य निशाना शिया समुदाय है। शिया मुस्लिम ईरान युद्ध को लेकर अधिक भावुक हैं, इसलिए उन्हें आसानी से बहलाया जा रहा है। वे बिना किसी हिसाब-किताब के पैसा दे रहे हैं और इन ठगों से कोई सवाल भी नहीं पूछ रहे हैं। ऑफलाइन तरीके से कर रहे हैं इस्तेमाल एजेंसियां देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसी गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। ये ठग पकड़े जाने के डर से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। वे अपना काम ऑफलाइन तरीके से कर रहे हैं ताकि उनकी गतिविधियों को ट्रैक करना मुश्किल हो। वे लोगों को फर्जी रसीदें भी देते हैं। जांच में जुटी एजेंसियां एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस पैसे का इस्तेमाल कहां हो रहा है। अधिकारियों को अंदेशा है कि इस फंड का एक बड़ा हिस्सा देश विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल हो सकता है।

रूसी जहाजों को नौसेना देगी सुरक्षा कवच, क्या पश्चिमी देशों के साथ टकराव की आशंका?

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने अपने मालवाहक जहाजों को पश्चिमी देशों के हमलों से बचाने के लिए नौसैनिक सुरक्षा देने का एलान किया है। यूक्रेन युद्ध और प्रतिबंधों के बीच, जहाजों पर बढ़ते ड्रोन हमले के बाद रूस ने यह कड़ा रुख अपनाया है। इससे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में रूस और नाटो देशों के बीच सैन्य टकराव का खतरा बढ़ गया है। पश्चिम के देशों में तनातनी के बीच रूस ने बड़ा एलान किया है। रूस ने साफ कर दिया है कि वह अपने मालवाहक जहाजों को किसी भी कीमत पर रुकने या जब्त होने नहीं देगा। क्रेमलिन के शीर्ष अधिकारी निकोलाई पात्रुशेव की अध्यक्षता वाले रूसी समुद्री बोर्ड ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब देश के मालवाहक जहाजों को

रूसी नौसेना का सुरक्षा कवच मिलेगा। क्यों लिया गया यह फैसला? दरअसल, पिछले कुछ महीनों से ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम और स्वीडन जैसे देशों ने रूसी तेल और सामान ले जा रहे जहाजों को बीच समुद्र में रोकना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं, हाल ही में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपनी नौसेना को संदिग्ध रूसी जहाजों को हिरासत में लेने की खुली छूट दी थी। अब रूस इसे अपने व्यापार पर सीधा हमला मान रहा है। सिर्फ जब्ती ही नहीं, बल्कि रूसी जहाजों पर समुद्री ड्रोन के हमले भी बढ़ गए हैं। अभी गुरुवार को ही काला सागर में तुर्किये के टैंकर 'अल्तुरा' पर ड्रोन हमला हुआ, जिससे जहाज के इंजन रूम को भारी नुकसान पहुंचा। इससे पहले मार्च की शुरूआत में यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने एक रूसी एलएनजी टैंकर को निशाना बनाया था।

होर्मुज पर ताला लगाने वाले ईरानी नौसेना प्रमुख की मौत, इस्राइल का बड़ा दावा

तेहरान से पुष्टि नहीं

तेहरान (एजेंसी)। इस्राइली मीडिया ने अज्ञात अधिकारी के

हवाले से दावा किया है कि आईआरजीसी की नौसेना के प्रमुख अलीरेजा तंगसीरी को मार दिया गया है। तंगसीरी को होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने का जिम्मा सौंपा गया था। ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी एक हवाई हमले में मारे गए। इस्राइली मीडिया ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से यह दावा किया। हालांकि, इस हमले की न तो ईरान की तरफ से और न ही इस्राइली सेना (आईडीएफ) की ओर से आधिकारिक पुष्टि की गई है। तंगसीसी को सौंपी गई थी होर्मुज बंद करने की जिम्मेदारी रिपोर्ट के मुताबिक, तंगसीसी आईआरजीसी की नौसेना के प्रमुख थे और उन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की जिम्मेदारी दी गई थी। वहीं, आईआरजीसी ने आज फिर से अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। बताया जा रहा है कि ईरान के उत्तरी हिस्से में बनियादी ढांचे और नागरिक इलाकों पर हमलों के जवाब में यह कार्रवाई की गई। ईरान ने किए जवाबी हमले आईआरजीसी और ईरानी सेना ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के तहत बुधवार को कई जगह सैन्य कार्रवाई की। यह अभियान अमेरिका और इस्राइल के हमलों के तुरंत बाद शुरू किया गया था। ईरानी सशस्त्र बलों ने अब तक 82 मिसाइल और ड्रोन से हमले किए हैं, जिनमें आधुनिक हथियारों इस्तेमाल हुआ। इन हमलों में इस्राइल के सैन्य ठिकाने और पश्चिम एशिया में फैले अमेरिकी सैन्य अड्डे रहे हैं। हिजबुल्ला और इस्लामिक रेजिस्टेंट समूह भी जंग में शामिल इस संघर्ष में लेबनान का हिजबुल्ला और इराक का इस्लामिक रेजिस्टेंट समूह भी शामिल हो गए हैं और उन्होंने अपने दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।